रजिस्ट्री सं० डी० (डी०) 73

REGISTERED No. D(D). 73

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 13, 1974/चैत्र 23, 1896

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 13, 1974/CHAITRA 23, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1974

का० आ० 916.—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 16 अक्तूबर, 1971, में प्रकाशित, भारत सरकार, मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक विभाग) की अधिसूचना संख्या 375/31/71-ए०वी०डी०-3 (का०आ० 3863), दिनांक 16 अक्तूबर, 1971 में एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में, "31 मार्च, 1974 तक" शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर "30 जून, 1974 तक" शब्द, अंक और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

[संख्या 381/21/71-ए०वी०डी०-3]

आर० सी० मिश्र, संयुक्त सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 30th March, 1974

S.O. 916.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) No. 375/31/71-AVD. III (S. O. 3863), dated the 16th October 1971, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 16th October, 1971, namely :—

In paragraph 2 of the said notification, for the words, figures and letters "by the 31st March, 1974" the words, figures and letters "by the 30th June 1974" shall be substituted.

[No. 381/21/71-AVD. III]

R. C. MISRA, Joint Secy.

का० आ० 917.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1898 (1898 का 5) की धारा 492 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा बम्बई के एडवोकेट श्री पी० आर० नामजोशी को, श्री टी० बी० भट्ट तथा अन्य के विरुद्ध 1971 के विशेष मुकदमा नम्बर 21 (आर० सी० नम्बर 7/69-एस०पी०ई०-बम्बई) की पैरवी करने के लिए स्पेशल-जज, ग्रेटर बम्बई, बम्बई के न्यायालय में राज्य की ओर से उपस्थित होने, एवम् उक्त मुकदमें से उद्भूत पुनरीक्षण/अपील की पैरवी करने के लिए राज्य की ओर से बम्बई उच्च न्यायालय में उपस्थित होने के लिए लोक-अभियोजक नियुक्त करती है ।

[संख्या 225/23/74-ए०वी०डी०-2]

बी० सी० वनजानी, अवर सचिव

2 G of I/74—1

S.O. 917.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 492 of the Code of Criminal Procedure, 1898 (5 of 1898), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay, as Special Public Prosecutor to appear on behalf of the State in the Court of the Special Judge, Greater Bombay, for conducting Special Case No. 21 of 1971 (RC. No. 7/69-SPE-Bombay) against Shri T. B. Bhatt and others, and also before the High Court of Judicature at Bombay in any revision(s) or appeal(s) arising out of the said case.

[No. 225/23/74-AVD. II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1974

का० आ० 918.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 313-डालटेनगंज सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सूरज देव सिंह, ग्राम रेवाराटु, पो० सतबरवा, जिला पालामू, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सूरज देव सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स०/313/72(44)]

ए० एन० सैन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 5th March, 1974

S.O. 918.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surajdeo Singh, Village Revaratu, P. O. Satbarwa, District Palamau (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 313-Daltonganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hreby declared the said Shri Surajdeo Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/313/72 (44)]

A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली 15 मार्च, 1974

का० आ० 919.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 170-गूटी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जी० वेंकट नायडू, कोटापल्ली, थूत्रापल्ली (पोस्ट)' तादपत्री तालुक, आन्ध्र प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जी० वेंकट नायडू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० आ०प्र०-वि०स०/170/72]

वी० नागसुब्रह्मण्यन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th March, 1974

S.O. 919.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. Venkata Naidu, Kothapalli, Thoetrallapall (Post), Tadpatri Taluk, (Andhra Pradesh), a contesting candidate for the general election held in March, 1972 to the Andhra Pradesh Legislative Assembly from 170-Gooty constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commision is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. Venkata Naidu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/170/72]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1974

का० आ० 920.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स बज बज अमालगामेटेड

मिल्स लि० के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 164/70 दिनांक 22 अक्तूबर, 1970) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है ।

[सं० 22/25/71-एम 2]

कान्त मणि शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th March, 1974

S.O. 920.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Budge Budge Amalgamated Mills Ltd. under the said Act (Certificate of Registration No. 164/70 dated the 22nd October, 1970).

[No. 22/25/71-M (II)]

K. M. SHARMA, Under Secy.

वित्त मन्त्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1974

का० आ० 921.—धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट पदाभिधानों सहित सहायक मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है :

क्र० सं०	व्यक्तियों के नाम	पदाभिधान
1.	श्री एस० कृष्णन	सहायक मूल्यांकन अधिकारी
2.	श्री एच० सी० गुप्त	—यथोक्त—

[सं० 1/फा०सं० 328/7/74-ध०क०]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Insurance)

ORDER

New Delhi, the 1st February, 1974

S. O. 921.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Assistant Valuation Officers with the designation specified in corresponding entry in column (3) of the said Table :

TABLE

Sl. No.	Name of persons	Designation
1.	Shri S. Krishnan	Assistant Valuation Officer
2.	Shri H. C. Gupta	-do-

[No. 1/F. No.328/7/74-WT]

आदेश

(आय-कर)

का० आ० 922.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी अधिसूचना सं० 43 फा० सं० 328/111/72-ध०क०, तारीख 15 दिसम्बर, 1972 द्वारा यथा संशोधित अधिसूचना सं० 30/फा० सं० 328/111/72-ध०क०, तारीख 14 नवम्बर, 1972 से संलग्न सारणी में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त सारणी 11, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास और 11-क सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के अन्तर्गत क्रमश: निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)
11.	सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास	(i) मद्रास सिटी और चिंगलपेट जिले के निम्नलिखित राजस्व गांवों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र :— (1) थिसाटाइगेपेट; (2) एगमोर; (3) वेपरी; (4) पेरियाकुडल; (5) अमीनजीकराई; (6) मुथियालपेट; (7) टोंडियार-पेट (8) पुराना वाशरमैनपेट; (9) नया वाशरमैनपेट (10) रोयापुरम; (11) अयानावरम; (12) कोडुनगयूर (13) कोलाथूर, (14) चिन्नाकुडल; (15) तिरुवल्लूर; (16) चिन्नासमबरमबक्कम; (17) सिमायथल; (18) नाडुबक्काराई; (19) पोनावल्लर; (20) माधावरम; (21) मुल्लम; (22) एरुक्कनचेरी· (23) सेमबियम; (ii) और तमिलनाडु के रामानाथापुरम, मदुराई, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी धर्मपुरी, सालेम और उत्तरी अरकॉट के राजस्व ज़िले ।

(1)	(2)	(3)
11-क. सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास		(i) सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास को समनुदिष्ट किए गए से भिन्न मद्रास सिटी और चिंगलेपुट जिले के राजस्व गावों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र;
		(ii) तमिलनाडु के दक्षिणी अरकाट थानजावुर, तिरुचिरापल्ली, नीलगिरि, पुडुकोट्टाई और कोयम्बटूर के राजस्व जिले ।
		(ii) और पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के मेहे और यनम को छोड़कर पाण्डिचेरी और कराईकल संघ राज्य क्षेत्र ।

2. यह आदेश 1-2-1974 से प्रवृत्त होगा ।

[सं० 2/1974/328/111/72-ध०क०]

ORDER

INCOME-TAX

S. O. 922.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby makes the following amendments in the Table appended to the Notification No. 30/ F.No. 328/111/72-W.T. dated the 14th November, 1972 as amended by its Notification No. 43/F. No. 328/111/72-W.T. dated the 15th December, 1972, namely:—

In the said Table against 11, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras and 11-A, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras under columns (1), (2) and (3), the following shall be respectively substituted, namely:—

(1)	(2)	(3)
11. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras.		(i) Areas covered by the following Revenue villages of Madras City and Chingleput District:—
		(1) Chintadripet;
		(2) Egmore;
		(3) Vepery;
		(4) Periakudal;
		(5) Aminjikarai;
		(6) Muthialpet;
		(7) Tondiarpet;
		(8) Old Washermanpet;
		(9) New Washermanpet;
		(10) Royapuram;
		(11) Ayanavaram;
		(12) Kodungayur;
		(13) Kolathur;
		(14) Chinnakudal;
		(15) Siruvallur;
		(16) Chinnasambarambakkam
		(17) Sclavayal;
		(18) Naduvakkarai;
		(19) Paravallur;
		(20) Madhavaram;
		(21) Mullam;
		(22) Erukkancheri;
		(23) Sembiam;
		(ii) and the Revenue Districts of Ramanathapuram, Madurai, Tirunelveli, Kanyakumari, Dharmapuri, Salem and North Arcot of Tamil Nadu.
11-A. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras		(i) Areas covered by the Revenue Villages of Madras City and Chingleput District other than those assigned to the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras;
		(ii) Revenue Districts of South Arcot, Thanjavur, Tiruchirapalli, Nilgiris Pudukottai and Coimbatore of Tamil Nadu;
		(iii) and the Union Territories of Pondicherry and Karaikal excluding Mehe and Yanam in the Union Territory of Pondicherry.

2. This order shall come into force with effect from 1-2-1974

[No. 2/1974/328/III/72-W. T.]

आदेश

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1974

का० आ० 923.—धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12-क की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को उक्त सारणी के स्तम्भ (3) तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट पदाभिधान सहित मूल्यांकन अधिकारी नियुक्त करती है :—

सारणी

क्र० सं०	व्यक्ति का नाम	पदाभिधान
1.	श्री पी० एस० कहलन	मूल्यांकन अधिकारी

[सं० 5/74/फा०सं० 318/118/72-ध०क० (भाग 2)]

ORDER

New Delhi, the 2nd February, 1974

S. O. 923.—In excercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 12A of the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) the Central Government hereby appoints the person specified in column (2) of the Table below as Valuation Officer with the designation specified in the corress ponding entry in column (3) of the said Table :—

TABLE

S.No.	Name of the person	Designation
1.	Shri P.S. Kahlon	Valuation Officer

[No. 5/74/F. No. 318/118/72 W.T. (Pt. II)]

आदेश

का० आ० 924.—केन्द्रीय सरकार, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को मूल्यांकन अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

क्र० सं०		व्यक्ति का नाम
1.	सर्वश्री	बी० ए० सूर्यप्रकासम्
2.		एस० सुन्दरम्
3.		एम० रामास्वामी
4.		आर० पंचपकेसन
5.		वी० मुथुरामालिंगम्
6.		टी० जी० नायर
7.		ए० एस० कृष्णामूर्ति
8.		श्रीमती आर० पी० राजमणि
9.	सर्वश्री	डी० वी० धोद
10.		जी० सत्यनारायण
11.		वी० एच० पाटिल
12.		ए० पी० वालवेकर
13.		ए० एम० वजे
14.		पी० एन० केदार
15.		ए० के० देब
16.		जी० एन० हजारिका
17.		आई० एस० फूकन
18.		एम० हक
19.		आर० के० दास
20.		एम० के० चौधरी]
21.		एम० एम० साही]
22.		युधिष्ठिर पाल]
23.		एच० आर० गर्ग
24.		गणपत राय
25.		आर० आर० अग्रवाल
26.		कुलदीप राज
27.		आर० डी० मान
28.		के० डी० दीक्षित
29.		आर० एच० भट्ट
30.		ए० एस० मनोहर
31.		एस० जे० अंजारिया
32.		सी० सी० मास्टर
33.		वाई० एन० भट्ट
34.		जे० एम० शाह
35.		डी० आर० त्रिवेदी
36.		जी० टी० तैशेटे
37.		एस० पी० पाटिल
38.		यू० एस० जोशी
39.		जे० पी० जानी
40.		एच० पी० पांड्या
41.		सिकन्दर खान
42.		दुर्गा प्रसाद
43.		आर० एन० पी० सिन्हा
44.		एम० एन० सिंह
45.		एन० जी० अराधे
46.		ए० बी० आर० राव
47.		श्रीमती आशा मेहरा
48.		एम० वेंकटारमी
49.	सर्वश्री	एम० वी० आर० प्रसाद
50.		सी० वी० हनुमंथा राव
51.		के० एन० नटराजन
52.		एम० पी० धाहमवे
53.		एन० श्रीनिवासन
54.		डी० के० तिवारी
55.		के० सी० बेबी
56.		के० नारायणा मेनन
57.		टी० एस० नारायणन

[सं० 6/74/फा० सं० 328/63/73-डब्ल्यू० टी० (सेयर्स)]

ORDER

S.O. 924— :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the following persons as Valuation Officers, namely:—

Sl. No.		Name of the person
1.	S/Shri	B.A. Suryaprakasam
2.		S. Sundaram
3.		M. Ramaswamy
4.		R. Panchapakesan
5.		V. Muthuramalingam
6.		T.G. Nair
7.		A.S. Krishnamurthy
8.	Mrs.	R.P. Rajamani
9.	S/Shri	D.V. Dhod
10.		G. Satyanarayana
11.		V.H. Patil
12.		A.P. Walvekar
13.		A.M. Vaze
14.		P.N. Kedar
15.		A.K. Deb
16.		G. N. Hazarika
17.		I.S. Phukan
18.		M. Haque
19.		R.K. Dass
20.		M.K. Chaudhury
21.		S.M. Sahi
22.		Yudhishter Pal
23.		H.R. Garg
24.		Ganpat Rai
25.		R.R. Aggarwal
26.		Kuldip Raj
27.		R.D. Man
28.		K.D. Dixit
29.		R.H. Bhatt
30.		A.S. Manohar
31.		S.J. Anjaria
32.		C.C. Master
33.		Y.N. Bhatt
34.		J.M. Shah
35.		D.R. Trivedi
36.		G.T. Taishete
37.		S.P. Patil
38.		U.S. Joshi
39.		J.P. Jani

S. No.		Name of the person
40.	S/Shri	H.P. Pandya
41.		Sikander Khan
42.		Durga Prasad
43.		R.N.P. Sinha
44.		M.N. Singh
45.		N.G. Aradye
46.		A.B.R. Rao
47.		Mrs. Asha Mehra
48.		S. Venkataraman
49.		M.V.R. Prasad
50.		C.V. Hanumantha Rao
51.		K.N. Natarajan
52.		M.P. Dhaimade
53.		N. Srinivasa
54.		D.K. Tiwari
55.		K.C. Baby
56.		K. Narayana Menon
57.		T.S. Narayanan.

[No.6/74/F.No. 328/63/73-W.T. (Shares)]

का०आ० 925.—केन्द्रीय सरकार, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को मूल्यांकन अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

क्र० सं०		व्यक्ति का नाम
1.	सर्वश्री	जी० अनथारामन
2.		बी० ए० सूर्य प्रकाशम
3.		के. वेंकटारामन
4.		एस० पी० जोशी
5.		आर० वी० देशपाण्डे
6.		बी० एच० सेवकराय
7.		सी० एच० पाटिल
8.		बी० डी० सकरी
9.		पी० एम० लाल्कर
10.		जी० एस० सुब्रामणियम
11.		एच० शुलाई
12.		एस० एच० चौधरी
13.		के० भट्टाचार्जी
14.		वी० डोंगजथांग
15.		आई० एस० फूकन
16.		एम० के० गंगूली
17.		आर० के० दत्ता
18.		डी० एन० कौल
19.		रतन लाल
20.		एम० आर० कांग
21.		डी० आर० नन्दा
22.		टी० एन० वन्सल
23.		आर० के० बाली
24.		आर० पी० खोसला
25.		ओ० पी० मल्होत्रा
26.		एस० एस० बेदी
27.	सर्वश्री	एल० डी० अग्रवाल
28.		डी० आर० गुप्ता
29.		के० के० पुरी
30.		एच० एस० सोहल
31.		त्रिलोक सिंह
32.		जी० सी० जैन
33.		आर० के० पथानिया
34.		एस० जे० अंजारिया
35.		पी० डी० वैष्णव
36.		पी० वी० मेनन
37.		वी० बी० पटेल
38.		वी० वी० मेहता
39.		वी० सी० शाह
40.		एम० पी० देवधर
41.		वी० डे
42.		आई० एस० व्यास
43.		एम० के० झा
44.		एस० पी० सिन्हा
45.		एस० एन० सिंह
46.		एच० सी० झा
47.		एम० वी० नायक
48.		वी० बी० कुलकर्णी
49.		एम० एल० महाले
50.		के० एस० मूर्ति
51.		एम० ए० आर० शेरीफ
52.		एम० रघुथमा राव
53.		जे० राम मोहन राव
54.		बी० लक्ष्मी नारायण पोट्टी

[स०8/74/फा सं० 328/63/73/डब्ल्यू०टी० (कृषि भूमि)]

S.O. 925.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the following persons as Valuation Officers, namely :—

Sl. No.		Name of the person
1.	S/Shri	G. Anatharaman
2.		B.A. Suryaprakasam
3.		K. Venkataraman
4.		S.P. Joshi
5.		R.V. Deshpande
6.		B.S. Sawakaray
7.		C.H. Patil
8.		B.D. Sakri
9.		P.M. Laulkar
10.		G.S. Subramanian
11.		H. Shulai
12.		S.N. Chaudhury
13.		K. Bhattacharjee
14.		V. Dongazthang
15.		I.S. Phukan
16.		S.K. Ganguli
17.		R.K. Datta

Sl No.	Name of the person
18.	S/Shri D.N. Kaul
19.	Ratan Lal
20.	S.R. Kang
21.	D.R. Nanda
22.	T.N. Bansal
23.	R.K. Bali
24.	R.P. Khosla
25.	O.P. Malhotra
26.	S.S. Bedi
27.	L.D. Aggarwal
28.	D.R. Gupta
29.	K.K. Puri
30.	H.S. Sohal
31.	Tarlok Singh
32.	G.C. Jain
33.	R.K. Pathania
34.	S.J. Anjaria
35.	P.D. Vaishnav
36.	P.V. Menon
37.	B.B. Patel
38.	V.V. Mehta
39.	V.C. Shah
40.	M.P. Deodhar
41.	V. Dey
42.	I.S. Vyas
43.	S.K. Jha
44.	S.P. Sinha
45.	S.N. Singh
46.	H.C. Jha
47.	S.V. Naik
48.	V.B. Kulkarni
49.	M.A. Mahale
50.	K.S. Murthy
51.	M.A.R. Sheriff
52.	S. Raghothama Rao
53.	J. Ramamohana Rao
54.	B. Lakshminarayanan Potti

[No. 8/74/F. No.328/63/73 W.T. (Agricultural Lands)]

आदेश

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1974

का० आ० 926—धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12-क की उप धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट पदाभिधान सहित मूल्यांकन अधिकारी नियुक्त करती है :—

सारणी

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पदाभिधान
1.	श्री एन०डी० रंजन	जिला मूल्यांकन अधिकारी

[सं० 10/74/ फा० सं० 318/118/72-डब्लू टी (भाग II)]

वी० डी० वखारकर, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 12th February, 1974

S. O. 926—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the person specified in column (2) of the Table below as Valuation Officer with the designation specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :—

TABLE

Sl.No.	Name of the person	Designation
1.	Shri N.D. Rajan	District Valuation Officer

[No. 10/74/F. 318/118/72-W.T. (Pt. II)]

V.D. WAKHARKAR, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आदेश

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1974

का० आ० 927—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धन कर नियम, 1957 के नियम 3-क के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इससे संलग्न सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक मूल्यांकन अधिकारी सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त की प्रादेशिक अधिकारिता के भीतर के क्षेत्रों में कृषि भूमि की बाबत मूल्यांकन अधिकारी के कर्त्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

क्रम सं०	मूल्यांकन अधिकारी	आयकर-आयुक्त
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	जी अनथारामन, आयकर अधिकारी, कोयमबटूर	मद्रास 1 और 2
2.	बी०ए० सूर्यप्रकाशम, आयकर अधिकारी, मदुरै	—यथोक्त—
3.	के० वैंकटारामन, सहायक नियंत्रक, सम्पदा शुल्क, थानजवूर	—यथोक्त—
4.	एस०पी० जोशी, आयकर अधिकारी, पूना	पूना
5.	आर०वी० देशपांडे, आयकर अधिकारी, पूना	—यथोक्त—
6	बी०एस० सेवकराय, आयकर अधिकारी, पूना	—यथोक्त—
7.	सी० एच० पाटिल, आयकर अधिकारी, नासिक	पूना
8.	बी० डी० सकरी, आयकर अधिकारी, कोल्हापुर	—यथोक्त—
9.	पी०एम० लालकर, आयकर अधिकारी, शोलापुर	—यथोक्त—
10.	जी०एस० सुब्रमणियम, आयकर अधिकारी, थाणे	—यथोक्त—
11.	एच० शुलाई, आयकर अधिकारी, डिब्रूगढ़	आसाम
12.	एस०एन० चौधरी, आयकर अधिकारी, सिमुलिया	—यथोक्त—
13.	के० भट्टाचार्जी, आयकर अधिकारी, सिलचर	—यथोक्त—
14.	वी० डोंगजथांग, आयकर अधिकारी, तेजपुर	—यथोक्त—
15.	आई०एस० फूकन, आयकर अधिकारी, गौहाटी	—यथोक्त—
16.	एस०के० गांगुली, आयकर अधिकारी, शिलांग	—यथोक्त
17.	आर० के० दत्ता चौधरी, आयकर अधिकारी, अगरतला	—यथोक्त
18.	डी० एन० कौल, आयकर अधिकारी, रोहतक	पटियाला-1
19.	रतनलाल, आयकर अधिकारी, हिसार	—यथोक्त—

1	2	3
	सर्वश्री	
20.	एम०आर० काग, आयकर अधिकारी, होशियारपुर	पटियाला-1
21.	डी० आर० नन्दा, आयकर अधिकारी, मोगा	—यथोक्त—
22.	टी० एन० बंगल, आयकर अधिकारी, अबोहर	—यथोक्त—
23.	आर० के० बाली, आयकर अधिकारी, चण्डीगढ़	—यथोक्त—
24.	आर० पी० खोसला, आयकर अधिकारी, पटियाला	—यथोक्त—
25.	ओ० पी० मल्होत्रा, आयकर अधिकारी, संगरूर	—यथोक्त—
26.	एम०एस० बेदी, आयकर अधिकारी, भटिण्डा	—यथोक्त—
27.	एल० डी० अग्रवाल, आयकर अधिकारी, लुधियाना	—यथोक्त—
28.	डी० आर० गुप्ता, आयकर अधिकारी, अमृतसर	पटियाला-2
29.	के० के० पुरी, आयकर अधिकारी, अमृतसर	—यथोक्त—
30.	एच० एस० सोहल, आयकर अधिकारी, गुरदासपुर	—यथोक्त—
31.	त्रिलोक सिंह, आयकर अधिकारी, जालन्धर	—यथोक्त—
32.	जी० सी० जैन, आयकर अधिकारी, करनाल	—यथोक्त—
33.	आर० के० पथानिया, आयकर अधिकारी, शिमला	—यथोक्त—
34.	एम०जे० अंजारिया, आयकर अधिकारी	गुजरात-3
35.	पी० डी० वैष्णव, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
36.	पी० बी० मेनन, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
37.	बी० बी० पटेल, आयकर अधिकारी	गुजरात-1 और 2
38.	बी० बी० मेहता, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
39.	बी० सी० शाह, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
40.	एम० पी० देवधर, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
41.	बी० डे, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
42.	आई० एम० व्यास, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
43.	एम० के० झा, आयकर अधिकारी, मुंगेर	बिहार
44.	एस०पी० सिन्हा, आयकर अधिकारी, ससराम	—यथोक्त—
45.	एस० एन० सिंह, आयकर अधिकारी रांची	—यथोक्त—
46.	एच० सी० झा आयकर अधिकारी, बेगुसराय	—यथोक्त—
47.	एम० बी० नायक, आयकर अधिकारी, मुम्बई	मुम्बई सिटी 1 से 6
48.	बी० बी० कुलकर्णी, आयकर अधिकारी, मुम्बई	—यथोक्त—
49.	एम० ए० महाले, आयकर अधिकारी मुम्बई	—यथोक्त—
50.	के० एस० मूर्ति, आयकर अधिकारी, हैदराबाद	आन्ध्र प्रदेश 1 और 2
51.	एम० ए० आर० शेरीफ, आयकर अधिकारी, निजामाबाद	—यथोक्त—
52.	एस० रघुथमा राव, आयकर अधिकारी, हैदराबाद	—यथोक्त—
53.	जे० राम मोहन राव, आयकर अधिकारी, काकीनाड़ा	—यथोक्त—
54.	बी० लक्ष्मी नारायणन पोट्टी, आयकर अधिकारी मट्टनचेरी	केरल

[सं० 9/74/फा० सं० 328/63/73-डब्ल्यू०टी० (कृषि भूमि)]

वी०डी० वखारकर, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 2nd February, 1974

S. O. 927—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 3A of the Wealth-tax Rules, 1957, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that every Valuation Officer specified in Column (2) of the Table appended here to shall perform the functions of a Valuation Officer in respect of agricultural lands in the areas within the territorial jurisdiction of the Commissioners of Income-tax specified in the corresponding entry in column (3) of the Table.

TABLE

Sl.No.	Valuation officer	Commissioner of Income-tax
	S/Shri	
1.	G. Anatharaman, Income-tax Officer, Coimbatore	Madras-I & II
2.	B.A. Suryaprakassam, ITO, Madras	-do-
3.	K. Venkataraman, Assistant Controller of Estate Duty, Thanjavur	-do-
4.	S.P. Joshi, I.T.O., Poona	Poona
5.	R.V. Deshpande, I.T.O., Poona	-do-
6.	B.S. Sawakaray, I.T.O., Poona	-do-
7.	C.H. Patil, I.T.O., Nasik	-do-
8.	B.D. Sakri, I.T.O., Kolhapur	-do-
9.	P.M. Laulkar, I.T.O., Sholapur	-do-
10.	G.S. Subramanian, I.T.O., Thana	-do-
11.	H. Shulai, I.T.O., Dibrugarh	Assam
12.	S.N. Chaudhury, I.T.O., Tinsukia	-do-
13.	K. Bhattacharjee, I.T.O., Silchar	-do-
14.	V. Dongzathang, I.T.O., Tezpur	-do-
15.	I.S. Phukan, I.T.O., Gauhati	- do-
16.	S.K. Ganguli, I.T.O., Shillong	-do-
17.	R.K. Datta Chaudhury, I.T.O., Agartala	-do-
18.	D.N. Kaul, I.T.O., Rohtak	Patiala-I
19.	Ratan Lal, I.T.O., Hissar	-do-
20.	S.R. Kang, I.T.O., Hoshiarpur	-do-
21.	D.R. Nanda, I.T.O., Moga	-do-
22.	T.N. Bansal, I.T.O., Abohar	-do-
23.	R.K. Bali, I.T.O., Chandigarh	do-
24.	R.P. Khosla, I.T.O., Patiala	-do-
25.	O.P. Malhotra, I.T.O., Sangrur	-do-
26.	S.S. Bedi, I.T.O., Bhatinda	-do-
27.	L.D. Aggarwal, I.T.O., Ludhiana	-do-
28.	D.R. Gupta, I.T.O., Amritsar	Patiala-II
29.	K.K. Puri, I.T.O., Amritsar	-do-
30.	H.S. Sohal, I.T.O., Gurdaspur	-do-
31.	Tarlok Singh, I.T.O., Jullundher	-do-
32.	G.C. Jain, I.T.O., Karnal	-do-
33.	R.K. Pathania, I.T.O., Simla	-do-
34.	S.J. Anjaraia, I.T.O.	Gujarat-III
35.	P.D. Vaishnav, I.T.O.	-do-
36.	P.V. Menon, I.T.O.	-do-
37.	B.B. Patel, I.T.O.	Gujarat-I & II
38.	V.V. Mehta, I.T.O.	-do-
39.	V.C. Shah, I T.O.	-do-
40.	M.P. Deodhar, I.T.O.	-do-
41.	V. Dey, I.T.O.	-do-
42.	I.S. Vyas, I.T.O.	-do-
43.	S.K. Jha, I.T.O., Monghyr	Bihar
44.	S.P. Sinha, I.T.O., Sasaram	-do-
45.	S.N. Singh, I.T.O., Ranchi	-do-
46.	H.C. Jha, I.T.O., Begusarai	-do-
47.	S.V. Naik, I.T.O., Bombay	Bombay City-I to VI
48.	V.B. Kulkarni, I.T.O., Bombay	-do-
49.	M.A. Mahale, I.T.O., Bombay	-do-
50.	K.S. Murthy, I.T.O., Hyderabad	Andhra Pradesh I & II
51.	M.A.R. Sheriff, I.T.O., Nizamabad	-do-
52.	S. Raghothama Rao, I.T.O., Hyderabad	-do-
53.	J. Ramamohana Rao, I.T.O., Kakinada	-do-
54.	B. Lashminarayanan Potti, I.T.O. Mattancherry	Kerala

[No. 9/74/F. No.328/63/73 W.T. (Agricultural Lands)]

(V.D. WAKHARKAR Under Secy.

का० आ० 928.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धन कर नियम, 1957 के नियम 3क के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक मूल्यांकन अधिकारी—

(i) कम्पनियों के, जिनमें उनके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय सम्मिलित हैं, स्टाक अंशों, डिबेंचरों और प्रतिभूतियों,

(ii) भागीदारी फर्मों के जिनमें उनके मुख्य कार्यालय सम्मिलित हैं, अंशों,

(iii) प्रतिभूतियों, सिवाय उनके जो खण्ड (i) में उल्लिखित और स्थित हो, और

(iv) चालू कारबार की कारबार आस्तियों,

की बाबत सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर, आयुक्त की प्रादेशिक अधिकारिता के भीतर के क्षेत्रों में मूल्यांकन अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करेगा ।

स्पष्टीकरण : आदेश में "कारबार आस्तियों" में गुडविल सम्मिलित है किन्तु इसके अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति, कृषि भूमि, बागान, वन, खान तथा खदान, मशीनरी तथा संयंत्र, आभूषण, कलाकृति और आजीवन हित, प्रतिवर्तन तथा प्रत्याशा हित नहीं है ।

सारणी

क्र० सं०	मूल्यांकन अधिकारी	आयकर आयुक्त
(1)	(2)	(3)
	सर्व/श्री	
1.	बी० ए० सूर्य प्रकासम, आय कर अधिकारी	मद्रास-1 और 2
2.	एस० सुन्दरम, आयकर, अधिकारी, तिरुचिरापल्ली	—यथोक्त—
3.	एम० स्वामी, आय कर अधिकारी, हैदराबाद	—यथोक्त—
4.	आर० पंचपकेसन, आय कर अधिकारी, मद्रास	—यथोक्त—
5.	बी० मुथूरामालिंगम, आय कर अधिकारी, मद्रास	—यथोक्त—
6.	टी० जी० सायर, आयकर अधिकारी, मद्रास	—यथोक्त—
7.	ए० एस० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिकारी, मद्रास	—यथोक्त—
8.	श्रीमती आर० पी० राजमणि, आयकर अधिकारी, कोयम्बटूर	—यथोक्त—
9.	डी० बी० धोंड, आय कर अधिकारी, पूना	पूना
10.	जी० सत्यनारायण, आयकर अधिकारी, पूना	— थोक्त—
11.	बी० एच० पाटिल, आयकर अधिकारी, नासिक	—यथोक्त—
12.	ए० पी० बालवेकर, आयकर अधिकारी, कोल्हापुर	—यथोक्त—
13.	ए०एम० बजे, आयकर अधिकारी, शोलापुर	—यथोक्त—
14.	पी० एन० केदार, आयकर अधिकारी, थाना	—यथोक्त—
15.	ए० के० देब, आयकर अधिकारी, डिगबोई	आसाम
16.	जी० एन० हजारिका, आयकर अधिकारी, गोहाटी	—यथोक्त
17.	आई०एम० फूकन, आयकर अधिकारी, गोहाटी	—यथोक्त—
18.	एम०हक, आयकर अधिकारी गोहाटी	—यथोक्त—
19.	आर० के० दास आयकर अधिकारी तेजपुर	—यथोक्त—
20.	एम० के० चौधरी, आयकर अधिकारी, धूबरी	—यथोक्त—
21.	एस० एम० साही, आयकर अधिकारी, हिसार	पटियाला-1
22.	युधिष्ठिर पाल, आयकर अधिकारी, लुधियाना	—यथोक्त—
23.	एच० आर० गर्ग, आयकर अधिकारी, पटियाला	—यथोक्त—
24.	गणपत राय, आयकर अधिकारी, लुधियाना	—यथोक्त—
25.	आर० आर० अग्रवाल, डी० आर० सर्किल-1, आई० टी०ए०टी०, अमृतसर	पटियाला-2
26.	कुलदीप राज, आयकर अधिकारी, अमृतसर	पटियाला-2
27.	आर० डी० मान, आयकर अधिकारी, लुधियाना	—यथोक्त—
28.	के० डी० दीक्षित, आयकर अधिकारी	गुजरात-3
29.	आर० एच० भट्ट, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
30.	ए० एस० मनोहर, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
31.	एम० जे० अंजारिया, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
32.	सी० सी० मास्टर, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
33.	वाई० एन० भट्ट, आयकर अधिकारी	गुजरात 1 और 2
34.	जे० एम० शाह, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
35.	डी० आर० त्रिवेदी, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
36.	जी० टी० तैशेटि, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
37.	एम० पी० पाटिल, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
38.	यू० एम० जोशी, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
39.	जे० पी० जानी, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
40.	एच० पी० पांड्या, आयकर अधिकारी	—यथोक्त—
41.	सिकन्दर खान, आयकर अधिकारी, हजारीबाग	बिहार
42.	दुर्गा प्रसाद, आयकर अधिकारी, पटना	—यथोक्त—
43.	आर० एन० पी० सिन्हा, आयकर अधिकारी, जमशेदपुर	—यथोक्त—
44.	एम० एन० सिंह, आयकर अधिकारी, मुजफ्फरपुर	—यथोक्त—
45.	एन० जी० अराधे, आयकर अधिकारी, मुम्बई	मुम्बई सिटी 1 से 6
46.	ए० बी० आर० राव, आयकर अधिकारी, मुम्बई	—यथोक्त—
47.	श्रीमती आणा मेहरा, आयकर अधिकारी, मुम्बई	—यथोक्त—
48.	एस० वेन्कटारामन, आयकर अधिकारी, विजयवाड़ा	आन्ध्र प्रदेश 1 और 2
49.	एम० वी० आर० प्रसाद, आयकर अधिकारी, विजयवाडा	—यथोक्त—
50.	सी० वी० हनुमंथा राव, आयकर अधिकारी, काकीनाडा	—यथोक्त—
51.	के० एन० नटराजन, आयकर अधिकारी, हैदराबाद	—यथोक्त—
52.	एम० पी० शाहमदे, आयकर अधिकारी, हैदराबाद	—यथोक्त—
53.	एन० श्रीनियासन, आयकर अधिकारी, हैदराबाद	—यथोक्त—
54.	डी० के० तिवारी, आयकर अधिकारी, नागपुर	नागपुर
55.	के० सी० वेबी, आयकर अधिकारी, एर्नाकुलम	केरल
56.	के० नारायण मेनन, आयकर अधिकारी, एर्नाकुलम	—यथोक्त—
57.	टी० एस० नारायणन, आयकर अधिकारी, पालघाट	—यथोक्त—

[सं० 7/74/फा० स० 328/63/73-डब्ल्यू टी० (सेयरस)]

वी० डी० वखारकर, अवर सचिव

S. O. 928.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 3A of the Wealth-tax Rules, 1957, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that every Valuation Officer specified in column (2) of the Table appended hereto shall perform the functions of a Valuation Officer in respect of:—

(i) Stock shares, debentures and securities of companies with their registered offices,

(ii) Shares in partnership firms with their head offices,

(iii) securities, other than those mentioned in clause (i), and situated, and

(iv) business assets of business carried on,

in the areas within the territorial jurisdiction of the Commissioners of Income-tax specified in the corresponding entry in column (3) of the Table.

Explanation :—In the order "business assets" includes goodwill but does not include immovable property, agricultural lands, plantations, forests, mines and quarries, machinery and plant, jewellery, works of art and life interest, reversions and interest in expectancy.

TABLE

S.No.	Valuation Officer	Commissioners of Income-tax
	S/Shri	
1.	B.A. Suryaprakasam, I.T.O., Madras	Madras-I & II
2.	S. Sundaram, I.T.O., Tiruchirapalli	-do-
3.	M. Ramaswamy, I.T.O., Hyderabad	-do-
4.	R. Panchapakesan, I.T.O., Madras	-do-
5.	V. Muthuramalingam, I.T.O., Madras	-do-
6.	T.G. Nair, I.T.O., Madras	-do-
7.	A.S. Krishnamurthy, I.T.O., Madras	-do-
8.	Mrs. R.P. Rajamani, I.T.O., Coimbatore	-do-
9.	D.V. Dhod, I.T.O. Poona	Poona
10.	G. Satyanarayana, I.T.O., Poona	-do-
11.	V.H. Patil, I.T.O., Nasik	-do-
12.	A.P. Walvekar, I.T.O., Kolhapur	-do-
13.	A.M. Vaze, I.T.O., Sholapur	-do-
14.	P.N. Kedar, I.T.O., Thana	-do-
15.	A.K. Deb .I.T.O. Digboi	Assam
16.	G.N. Hazarika, I.T.O., Gauhati	-do-
17.	I.S. Phukan, I.T.O. Gauhati	-do-
18.	M. Haque, I.T.O. Gauhati	-do-
19.	R.K. Dass, I.T.O. Tezpur	-do-
20.	M.K. Chaudhury, I.T.O., Dhubri	-do-
21.	S.M. Sahi, I.T.O., Hissar	Patiala-1
22.	Yudhishter Pal, I.T.O., Ludhiana	-do-
23.	H.R. Garg, I.T.O. Patiala	-do-
24.	Ganpat Rai, I.T.O. Ludhiana	-do-
25.	R.R. Aggarwal, D.R.C-I., I.T.AT. Amritsar	Patiala-I
26.	Kuldip Raj, I.T.O. Amritsar	-do-
27.	R.D. Man, I.T.O. Ludhiana	-do-
28.	K.D. Dixit, I.T.O.	Gujarat-III
29.	R.H. Bhatt, I.T.O.	-do-
30.	A.S. Manohar, I.T.O.	-do-
31.	S. J. Anjaria, I.T.O.	-do-
32.	C.C. Master, I.T.O.	-do-
33.	Y.N. Bhatt, I.T.O.	Gujarat-I & II
34.	J.M. Shah, I.T.O.	-do-
35.	D.R. Trivedi, I.T.O.	-do-
36.	G.T. Taishete, I.T.O.	-do-
37.	S.P. Patil, I.T.O.	-do-
38.	U.S. Joshi, I.T.O.	-do-
39.	J.P. Jani, I.T.O.	-do-
40.	H.P. Pandya, I.T.O.	-do-
41.	Sikander Khan, I.T.O., Hazaribagh	Bihar
42.	Durga Prasad, I.T.O. Patna	-do-
43.	R.N.P. Sinha, I.T.O. Jamshedpur	-do-
44.	M.N. Singh, I.T.O. Mazaffarpur	-do-
45.	N.G. Aradhe, I.T.O., Bombay	Bombay City -I to VI
46.	A.B.R. Rao, I.T.O. Bombay	-do-
47.	Mrs. Asha Mehra, I.T.O., Bombay.	-do-
48.	S. Venkataramana, I.T.O., Hyderabad	Andhra Pradesh I & II
49.	M.V.R. Prasad, I.T.O. Vijayawada	-do-
50.	C.V. Hanumantha Rao, I.T.O. Kakinada	do-
51.	K.N. Natarajan, I.T.O. Hyderabad	-do-
52.	M.P. Dhaimade, I.T.O. Hyderabad	-do-
53.	N. Srinivasan I.T.O., Hyderabad	-do-
54.	D.K. Tiwari, I.T.O., Nagpur	Nagpur
55.	K.C. Baby, I.T.O., Ernakulam	Kerala
56.	K. Narayana Menon, I.T.O. Ernakualam	-do-
57.	T.S. Narayanan, I.T.O. Palghat	-do-

[No. 7/74/F. No. 328/63/73-WT (Shares)]

V.D. WAKHARKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1974

आयकर

का० आ० 929—प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 211 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन सभी निर्धारितियों को, जो उस उप-धारा के खण्ड (1) के अन्तर्गत आते हैं और जो भारत में रबड़ और इलायची उगाने का कारबार करते हैं, अग्रिम कर की अंतिम किस्त दिसम्बर के पन्द्रहवें दिन की बजाए वित्तीय वर्ष के दौरान मार्च के पन्द्रहवें दिन को देने के लिए प्राधिकृत करता है।

[सं 570/फा सं० 400/49/73-आइ० टी० सी० सी०]

टी० आर० अग्रवाल, सचिव।

New Delhi, the 6th March, 1974.

INCOME TAX

S.O. 929.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 211 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby authorises all assessees falling under clause (i) of that sub-section and who carry on business of growing rubber and cardamom in India, to pay the last instalment of advance-tax on the 15th day of March during a financial year, instead of on the 15th day of December.

[No. 570 F. No. 400|49|73-ITCC]

T. R. AGGARWAL, Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1974

का० आ० 930—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (i) और (ii) के उपबन्ध, इस अधिसूचना के जारी होने से एक वर्ष की अवधि तक यूनियन बैंक आफ इंडिया, कलकत्ता पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जिस तक कि वे उपबन्ध, इस बैंक के अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक श्री एम० सेन शर्मा को इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन आफ उड़ीसा लि० का निदेशक होने से प्रतिषिद्ध करते हैं।

[सं० 15(4)—बी०ओ० 3/74]

एम० बी० उसगांवकर, अवर सचिव।

(Department of Banking)

New Delhi, the 26th March, 1974

S.O. 930.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta, for a period of one year from the date of this notification, in so far as the said provisions prohibit Shri M. Sen Sarma, its Chairman and Managing Director, from being a director of the Industrial Development Corporation of Orissa Ltd.

[No. 15(4)-B.O. III/74]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 26th March, 1974

S.O. 931.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Extraordinary Pension) Rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Extraordinary Pension) (Second Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 9th September, 1965.

2. In rule 10 of the Central Civil Services (Extraordinary Pension) Rules, in clause (ii), the proviso shall be omitted.

Explanatory Memorandum

The Central Civil Services (Extraordinary Pension) Rules have been amended with retrospective effect in order to extend the benefit w.e.f. 8-8-1965 i.e. the date of issue of Ministry of Finance, Office Memorandum No. 19(30)E-V(A)/65 in which the rates of extraordinary family pension payable to the widows and motherless children were revised. The interest of no one would be prejudicially affected by reason of the retrospective effect.

[No. F. 23(2)-E. V(A)/74]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1974

का० आ० 932.—रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मार्च 1974 की 8 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	14,74,03,000		सोने का सिक्का और बुलियन :—		
			(क) भारत में रखा हुआ .	182,53,05,000	
संचलन में नोट . .	61,05,60,94,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	. .	
			विदेशी प्रतिभूतियां .	101,73,97,000	
जारी किए गये कुल नोट .		6120,34,97,000	जोड़ .		284,27,02,000
			रुपये का सिक्का . .		5,74,38,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां . .		58,30,33,57,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य पत्र .		. .
कुल देयताएं		6120,34,97,000	कुल आस्तियां		6120,34,97,000

तारीख 13 मार्च, 1974

एस० जगन्नाथन, गवर्नर ।

8 मार्च, 1974 को रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	14,74,03,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	3,17,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घ कालीन क्रियाएं) निधि	239,00,00,000	छोटा सिक्का	3,32,000
		खरीदे और भुनाए गए बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण(स्थिरीकरण) निधि	85,00,00,000	(क) देशी	222,57,35,000
		(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	205,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल	194,88,08,000
		विदेशों में रखा हुआ बकाया*	361,91,22,000
जमा राशियां :—		निवेश **	230,07,02,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम	
(i) केन्द्रीय सरकार	55,75,17,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	5,34,22,000	(ii) राज्य सरकारों को@	164,19,36,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	648,36,70,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	298,64,32,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	15,30,32,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को‡	265,06,43,000
(iii) गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,13,64,000	(iii) दूसरों को	7,45,07,000
(iv) अन्य बैंक	50,70,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	66,57,04,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	19,08,31,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	38,10,00,000
(ग) अन्य	122,28,51,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	11,26,36,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल	115,79,62,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	54,36,83,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से	
अन्य देयताएं	532,76,72,000	ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	151,30,89,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गए बांडों/डिबेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियां	80,96,80,000
रुपये	2181,25,60,000	रुपये	2181,25,60,000

* नकदी अवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

** राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं है।

@ राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवर-ड्राफ्ट शामिल हैं।

† रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17 (4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 35,05,32,000 रुपये शामिल है।

‡ राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

[सं० फ० 10/1/74-बी० ओ० I]

तारीख 13 मार्च, 1974.

एस० जगन्नाथन, गवर्नर।

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, the 2nd April, 1974

S. O. 932.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 8th day of March 1974

ISSUE DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department.	14,74,03,000		Gold Coin and Bullion:—		
			(a) Held in India	182,53,05,000	
Notes in circulation	6105,60,94,000		(b) Held outside India	..	
Total Notes issued		6120,34,97,000	Foreign Securities	101,73,97,000	
			Total		284,27,02,000
			Rupee Coin		5,74,38,000
			Government of India Rupee Securities.		5830,33,57,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
Total Liabilities		6120,34,97,000	Total Assets		6120,34,97,000

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 8th March 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	14,74,03,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	3,17,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	239,00,00,000	Small Coin	3,32,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.	85,00,00,000	(a) Internal	222,57,35,000
		(b) External	..
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	205,00,00,000	(c) Government Treasury Bills	194,88,08,000
		Balances Held Abroad*	361,91,22,000
Deposits :—		Investments**	230,07,02,000
(a) Government		Loans and Advances to :—	
(i) Central Government	55,75,17,000	(i) Central Government	..
(ii) State Governments	5,34,22,000	(ii) State Governments@	164,19,36,000
(b) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	648,36,70,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	298,64,32,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,30,32,000	(ii) State Co-operative Banks‡	265,06,43,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks.	1,13,64,000	(iii) Others	7,45,07,000
(iv) Other Banks	50,70,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(c) Others	122,28,51,000	(a) Loans and Advances to :—	
Bills Payable	115,79,62,000	(i) State Governments	66,57,04,000
Other Liabilities	532,76,72,000	(ii) State Co-operative Banks	19,08,31,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	38,10,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures.	11,26,36,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	54,36,83,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank.	151,30,89,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank.	..
		Other Assets	80,96,80,000
Rupees	2181,25,60,000	Rupees	2181,25,60,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 35,05,32,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 13th day of March, 1974.

[No. F. 10(1)/74-BOI]

S. JAGANNATHAN, Governor.

का. आ. 933.—रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मार्च 1974 की 15 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इशु विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	57,63,92,000		सोने का सिक्का और बुलियन :—		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,53,05,000	
संचलन में नोट . .	6161,56,30,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	. .	
			विदेशी प्रतिभूतियां .	141,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट .		6219,20,22,000	जोड़ .		324,27,02,000
			रुपये का सिक्का . .		4,59,16,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां . .		5890,34,04,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र . .		. .
कुल देयताएं .		6219,20,22,000	कुल आस्तियां		6219,20,22,000

तारीख 20 मार्च, 1974

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

15 मार्च 1974 को रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
चुकता पूंजी . . .		5,00,00,000	नोट		57,63,92,000
आरक्षित निधि . . .		150,00,00,000	रुपये का सिक्का		2,39,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि .		239,00,00,000	छोटा सिक्का		3,41,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि . .		85,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल . . .		
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाए) निधि .		205,00,00,000	(क) देशी		237,64,54,000
			(ख) विदेशी		. .
			(ग) सरकारी खजाना बिल . . .		192,70,19,000
			विदेशों में रखा हुआ बकाया* . . .		329,75,53,000
जमा राशियां :—			निवेश**		96,79,80,000
(क) सरकारी			ऋण और अग्रिम		
(i) केन्द्रीय सरकार . . .		57,86,02,000	(i) केन्द्रीय सरकार को . . .		. .
(ii) राज्य सरकारें . .		4,94,59,000	(ii) राज्य सरकारों को@ . . .		176,87,88,000
(ख) बैंक			ऋण और अग्रिम :—		
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक . .		596,93,19,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को† . .		379,45,30,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .		13,49,60,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को‡ . .		255,01,66,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक		1,16,44,000	(iii) दूसरों को		8,12,07,000
(iv) अन्य बैंक . . .		47,69,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश		
			(क) ऋण और अग्रिम :—		
			(i) राज्य सरकारों को . .		66,39,00,000
			(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . .		18,85,18,000
			(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को . .		. .
			(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को . .		38,10,00,000
(ग) अन्य		127,65,13,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश .		11,26,36,000
			राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम		
देय बिल		133,33,94,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम .		54,06,95,000
अन्य देयताएं		537,42,56,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश		
			(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . .		151,30,89,000
			(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किए गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश . . .		. .
			अन्य आस्तियां		83,24,09,000
रुपये .		2157,29,16,000	रुपये .		2157,29,16,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं है।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवर ड्राफ्ट शामिल हैं।

†रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 41,54,50,000 रुपये शामिल हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

[सं. फा 10/1/74-बी. ओ I]

तारीख 20 मार्च, 1974

एस० जगन्नाथन गवर्नर

S. O. 933.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 15th day of March, 1974

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department.	57,63,92,000		Gold Coin and Bullion :— (a) Held in India	182,53,05,000	
Notes in circulation	6161,56,30,000		(b) Held outside India	..	
Total Notes issued		6219,20,22,000	Foreign Securities	141,73,97,000	
			Total		324,27,02,000
			Rupee Coin		4,59,16,000
			Government of India Rupees Securities.		5890,34,04,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper.		..
Total Liabilities		6219,20,22,000	Total Assets		6219,20,22,000

Dated the 20th day of March, 1974. S. JAGANNATHAN, Governor

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on 15th March, 1974

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	57,63,92,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupees Coin	2,39,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	239,00,00,000	Small Coin	3,41,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	85,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :— (a) Internal	237,64,54,000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	205,00,00,000	(b) External	..
Deposits :—		(c) Government Treasury Bills	192,70,19,000
(a) Government		Balances Held Abroad*	329,75,53,000
(i) Central Government	57,86,02,000	Investments**	96,79,80,000
(ii) State Governments	4,94,59,000	Loans and Advances to :— (i) Central Government	..
(b) Banks		(ii) State Governments@	176,87,88,000
(i) Scheduled Commercial Banks	596,93,19,000	Loans and Advances to :— (i) Scheduled Commercial Banks†	379,45,30,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	13,49,60,000	(ii) State Co-operative Banks‡	255,01,66,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,16,44,000	(iii) Others	8,12,07,000
(iv) Other Banks	47,69,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(c) Others	127,65,13,000	(a) Loans and Advances to :—	
Bills Payable	133,33,94,000	(i) State Governments	66,39,00,000
Other Liabilities	537,42,56,000	(ii) State Co-operative Banks	18,85,18,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	38,10,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures.	11,26,36,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	54,06,95,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank.	151,30,89,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank.	..
		Other Assets	83,24,09,000
Rupees	2157,29,16,000	Rupees	2157,29,16,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 41,54,50,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

[No. F. 10(1)/74—B. O. I]

Dated the 20th day of March, 1974 S. JAGANNATHAN, Governor

का० आ० 934.—रिजर्व बैंक ग्राफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मार्च 1974 की 22 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	25,73,26,000		सोने का सिक्का और बुलियन		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,53,05,000	
संचलन में नोट . .	6133 89 34 000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां . .	141,73,97,000	
			जोड़ .		324,27,02,000
जारी किये गये कुल नोट		6159,62,60,000	रुपये का सिक्का .		5,02,16,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		5830,33,42,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र . .		..
कुल देयताएं		6159,62,60,000	कुल आस्तियां		61,59,62,60,000

एस जगन्नाथन, गवर्नर

22 मार्च 1974 को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	25,73,26,000
आरक्षित निधि .	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	2,06,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि .	239,00,00,000	छोटा सिक्का	3,61,000
		खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि . .	85,00,00,000	(क) देशी	248,98,33,000
		(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि .	205,00 00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल	165,07,66,000
		विदेशों में रखा हुआ बकाया* . . .	360,11,17,000
जमा राशियां :—		निवेश**	299,98,67,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार . . .	55,91,34,000	(i) केन्द्रीय सरकार को . . .	..
(ii) राज्य सरकारें . . .	23,60,76,000	(ii) राज्य सरकारों को@ . . .	111,13,24,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक . .	670.58,21 000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को . .	396,00,00,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .	15 78,07,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . .	248,41,37,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .	1,30,39,000	(iii) दूसरों को . . .	5,09,85,000
(iv) अन्य बैंक . . .	47,42,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को . .	66,41,38,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . .	18,74,24,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को .	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को .	37,40,00,000
(ग) अन्य	122,84,91,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश .	11,27,67,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल	170,86,99,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम . .	53,39,88 000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से	
अन्य देयताएं	541,12,70,000	ऋण अग्रिम और निवेश . .	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . .	152,55,50 000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश . . .	..
		अन्य आस्तियां	86,12,90,000
रुपये .	2286,50,79,000	रुपये .	2286,50,79,000

*नकदी आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं है परन्तु राज्य सरकारो को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

†रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मियादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 34,24,50,000 रुपये शामिल हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

तारीख 27 मार्च 1974

एस० जगन्नाथन गवर्नर

[सं०फ० 10/1/74–बी०ओ०-I]

च०म० मीरचन्दानी, अवर सचिव

S. O. 934.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 22nd day of March, 1974

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department.	25,73,26,000		Gold Coin and Bullion:—		
			(a) Held in India	182,53,05,000	
Notes in circulation	6133,89,34,000		(b) Held outside India	..	
Total Notes issued		6159,62,60,000	Foreign Securities	141,73,97,000	
			Total		324,27,02,000
			Rupee Coin		5,02,16,000
			Government of India Rupee Securities		5830,33,42,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
Total Liabilities		6159,62,60,000	Total Assets		6159,62,60,000

Dated the 27th day of March, 1974. S. JAGANNATHAN, Governor

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 22nd March, 1974

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	25,73,26,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	2,06,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	239,00,00,000	Small Coin	3,61,000
		Bills Purchased and Discounted:—	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.	85,00,00,000	(a) Internal	248,98,33,000
		(b) External	..
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	205,00,00,000	(c) Government Treasury Bills	165,07,66,000
		Balances Held Abroad*	360,11,17,000
		Investments**	299,98,67,000
Deposits :—		Loans and Advances to :—	
(a) Government		(i) Central Government	..
(i) Central Government	55,91,34,000	(ii) State Governments@	111,13,24,000
(ii) State Governments	23,60,76,000	Loans and Advances to :—	
(b) Banks		(i) Scheduled Commercial Banks†	396,00,00,000
(i) Scheduled Commercial Banks	670,58,21,000	(ii) State Co-operative Banks‡	248,41,37,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,78,07,000	(iii) Others	5,09,35,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks.	1,30,39,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(iv) Other Banks	47,42,000	(a) Loans and Advances to :—	
(c) Others	122,84,91,000	(i) State Governments	66,41,38,000
Bills Payable	170,86,99,000	(ii) State Co-operative Banks	18,74,24,000
Other Liabilities	541,12,70,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	37,40,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures.	11,27,67,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	53,39,88,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank.	152,55,50,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank.	..
		Other Assets	86,12,90,000
	2286,50,79,000		2286,50,79,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 34,24,50,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 27th day of March 1974.

S. JAGANNATHAN, Governor

[No. F. 10(1)/74—BO. I]

C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

राजस्थ बिल्डिंग, करनावरिथोटा

गुन्टुर, 29 नवम्बर, 1973

का. आ. 935.—1966 के उत्पाद उपकर अधिनियम की धारा 2(क) के अधीन प्रदत्त—शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, एतद्वारा अनुलग्न सारणी के स्तंभ 4 में उल्लिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में, स्तंभ 2 में बतायी गई उत्पाद उपकर अधिनियम, 1966 की धाराओं के अंतर्गत तथा उक्त सारणी के स्तंभ 3 में दी गई सीमाओं तक, समाहर्ता की शक्तियों के प्रयोग का प्राधिकार देता हूं।

सारणी

क्र० सं०	उत्पाद उपकर अधिनियम की संगत धारा	निम्नलिखित विषय के संबंध में	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के वे अधिकारी, जिन्हें समाहर्ता की शक्तियां प्रत्यायोजित की जाती है।
1	7	मिल के संबंध में दिया जाने वाला विवरण	अधीक्षक—के० उत्पा० शुल्क
2.	8	मासिक विवरणियों का प्रस्तुतीकरण	यथोपरि
3.	9(1) और (2)	उपकर एकत्र करना	यथोपरि
4.	12(क) (ख) और (ग)	दातव्य राशि की वसूली	यथोपरि
5.	13(1) और (2)	मिलों आदि का निरीक्षण करने से संबंधित शक्ति	कम से कम के० उत्पा० शुल्क के निरीक्षक के पद वाला अधिकारी
6.	18	अपराधों का निपटारा	सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद।

[अधिसूचना सं० 5/73]

ए०एस०आई० जाफर, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Central Excise Building

Guntur, the 29th November, 1973

S.O. 935.—In exercise of the powers conferred on me under Section 2(a) of the Produce Cess Act, 1966, I hereby authorise the Central Excise Officers specified in Col. 4 of the Table hereto annexed, to exercise within their respective jurisdiction the powers of the Collector under the Sections of the Produce Cess Act, 1966 enumerated in Col. 2 to the extent given below in Col. 3 of the said table :

TABLE

S. No.	Relevant Sec. of Produce Class Act	In regard to	Officers of C.E. to whom the powers are delegated
1.	7 . . .	Furnishing particulars about the Mill	Supdt. C.E.
2.	8. . .	Submission of Monthly returns	-do-
3.	9 (1) & (2) .	Collection of Cess	-do-
4.	12(a) (b) & (c)	Recovery of sums due	-do-
5.	13(1) & (2) .	Powers to inspect Mills etc.	Officers not below the rank of Inspector of C.E.
6.	18 . .	Composition of Offences	Asst. Collectors of Central Excise.

[Notification No.5/73]

A.S.I. JAFFAR, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

आंतरिक व्यापार विभाग

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1974

व्यापार चिह्न

का. आ. 936.—व्यापार और पण्य चिह्न नियम, 1959 के नियम 155 के उपनियम (4) के अनुसरण में यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त नियम के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने, व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर से पाडिपुराक्कल कालिसेरी (केरल) के श्री पी० जे० जोसफ, का नाम हटा दिया है।

[फा०सं० 29(5)-आई०टी०/टी० एम/73]

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 2nd April, 1974

TRADE MARKS

S.O. 936.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 155 of the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959, it is hereby notified that, in exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of the said rules, the Central Government has removed the name of P. J. Joseph of Padippurackal Kallisseri (Kerala) from the Register of Trade Marks Agents.

[File No. 29(5)-I.T./TM/73]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1974

का. आ. 937.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दी गई मान्यता के नवीकरण के लिए मुम्बई आयलसीड्स एण्ड आयल्स एक्सचेंज, लिमिटेड, मुम्बई द्वारा आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मूंगफली के तेल की अग्रिम संविदाओं की बाबत उक्त एक्सचेंज को 25 अप्रैल 1974 से 24 अप्रैल, 1975 तक जिसमें दोनों दिन सम्मिलित हैं। एक वर्ष की और कालावधि के लिए एतद्द्वारा मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा दी गई मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का पालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायेंगे ।

[फा०सं० 12(2) आई० टी० 74]

यु०एस० राणा, संयुक्त निदेशक ।

New Delhi, the 3rd April, 1974.

S.O. 937.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Bombay Oilseeds and Oils Exchange Limited, Bombay and being satisfied that it would be in the inerest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 25th April, 1974 to the 24th April, 1975, both days inclusive, in respect of forward contracts in groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with the directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT/74]

U. S. RANA, Jt. Director.

मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय

आदेश

नयी दिल्ली, 29 मार्च, 1974

का० आ० 938.—सर्वश्री इण्डियन ट्यूब क० लि० 41, चौरंगी रोड, कलकत्ता को 1,23,81,424 रु० (एक करोड़, तेईस लाख, इक्यासी हजार, चार सौ चौबीस रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी०/सी/2061961/एस/आई बी/37/एच/ 31-32/ सी जी-4 दिनांक 17-11-70 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति नष्ट हो गई है। आगे यह बताया गया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का 98,39,913 रु० तक उपयोग कर लिया गया है और उसमें शेष अप्रयुक्त 25,41,511 रु० था ।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक, कलकत्ता पश्चिम बंगाल के सम्मुख विधिवत शपथ लेते हुए एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं तदनुसार संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति नष्ट हो गई है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी सी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री इण्डियन ट्यूब कं० लि० 41, चौरंगी रोड, कलकत्ता को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/ए सी/2061961/एस/आई बी/37/एच/31-32/ सी जी-4 दिनांक 17-11-70 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

3. लाइसेंसधारी को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है ।

[सं० 2 ए(188) 64-65/सी जी-4]

जे० शंकर, उप-मुख्य नियंत्रक ।

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 29th March, 1974

S.O. 938.—M/s. The Indian Tube Company Ltd., 41, Chowranghee Road, Calcutta were granted an import licence No. P./C/2061961/S/IB/37/H/31-32/CG. IV dated 17-11-70 for Rs. 1.23,81,424 (Rupees One Crore Twentythree lakhs eightyone thousand four hundred and twentyfour only). They have applied for the issue of a duplicate Exchange Control Purposes copy of the said licence on the ground that the original exchange control purposes copy has been destroyed. It is further stated that the original exchange control copy has been utilised to the extent of Rs. 98,39,913 and the unutilized balance was Rs. 25,41,511.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly sworn in before Notary Public, Calcutta West Bengal. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Purposes copy of the said licence has been destroyed. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original exchange purposes copy of import licence No. P/C/2061961/S/IB/37/H/31-32/CG. IV dated 17-11-70 issued to M/s. The Indian Tube Company Ltd., 41 Chowranghee Road, Calcutta is hereby cancelled.

3. A duplicate exchange control purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. 2A(188)/64-65/CG. IV]

J. SHANKAR, Dy. Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 2 अप्रैल 1974

का०आ० 939.—कानपुर के डा० वी०के० मल्होत्रा को एक फीएट 128 कार, चेसिस सं० 872167 के आयात के लिए 20,000 रुपए के लिए सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी०जे० 3045765/एन०एम०पी०/50/एच 37-38 दिनांक 10-1-74 प्रदान किया गया था। चूंकि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया है, इसलिए उन्होंने उसकी अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं था और उसका उपयोग नहीं किया गया था।

इस तर्क के समर्थन में डा० वी०के० मल्होत्रा ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है । उन्होंने वचन दिया है कि यदि बाद में वह सीमाशुल्क निकासी परमिट मिल जायेगा तो इस कार्यालय में रिकार्ड के लिए उसे लौटा देंगे । मैं संतुष्ट हूं कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट सं० पी०जे०/ 3045765/एन०एम०पी०/50 एच/37-38 दिनांक 10-1-74 खो गया है और निदेश देता हूं कि उनको अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी किया जाना चाहिए । मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट को रद्द समझा जाए ।

[सं 2 (बी 183) 73-74/बी एण्ड एस]

के० जी० नारायनसाहानी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 2nd April, 1974.

S.O. 939.—Dr. V. K. Malhotra of Kanpur was granted Customs Clearance Permit No. P/J/3045765/N/MP/50/H/37-38 dated 10-1-74 for Rs. 20,000/- for import of a Fiat 128 car, Chassis No. 872167 has applied for a duplicate copy of the Customs Clearance Permit as the original Customs Clearance Permit has been lost. It is further stated that the original Customs Clearance Permit was not registered with any Custom House and utilised.

In support of this contention Dr. V. K. Malhotra has filed an affidavit. He has undertaken to return the Customs Clearance Permit if traced later to this office for record. I am

atisfied that the original Customs Clearance Permit No. P/J/045765/N/MP/50/H/37-38 dated 10-1-74 has been lost and lirect that a duplicate Customs Clearance Permit should be ssued to him. The original Customs Clearance Permit may e treated as cancelled.

[File No. 2(B-183)/73-74/BLS/9]

Sd/- Illegible,

Dy. Chief. Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1973

का०आ० 940.—सर्वश्री कंवर एस०एम० कं०, सी-126, नरैणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-28 को वास्तविक उपयोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत सामान्य मुद्राक्षेत्र से आई० एफ० ट्रान्सफार्मरों के लिए कच्चे माल का आयात करने के लिए क्रमशः 5,000 रुपये तथा 1,990 रु० के लिए लाइसेंस संख्या पी/एस/1719731 तथा 1719733 दिनांक 16-11-72 प्रदान किए गए थे ।

उन्होंने उक्त लाइसेंसों की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि वें बिना कुछ भी उपयोग किए ही उनकी मूल प्रतियां खो गई / अस्थानस्थ हो गई है।

आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण क्रियाविधि हैंड बुक 1973-74 के पैरा 320 के अन्तर्गत तथा अपेक्षित उपर्युक्त बयान के समर्थन में एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल प्रतियां खो गई/अस्थानस्थ हो गई है ।

आयात नियंत्रण आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी० सी०) के अन्तर्गत मेरे लिए प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर लाइसेंसों की मूल सीमाशुल्क प्रतियां को रद्द करने का आदेश देता हूं।

आवेदक को अब आयात व्यापार नियंत्रण क्रियाविधि हैंड बुक 1973-74 के पैरा 320(4) की व्यवस्था के अनुसार उपर्युक्त लाइसेंसों की अनुलिपि प्रतियां (केवल सीमाशुल्क प्रयोजन) जारी की जा रही हैं ।

[फाइल संख्या : पी/के-19/ए एम 72/एयू यू टी/सी एल ए/3385]

ORDER

New Delhi, the 10th December, 1973

S.O. 940.—M/s. Karwar S. M. Co., C-126, Naraina Indl. Area, Phase-I, New Delhi-28 were granted licences No. P/S/1719731 and 1719733 dated 16-11-72 for Rs. 5,000 and Rs. 1,990 respectively from G.C.A. under A.U. category for import of raw material for I.F. Transformers.

They have applied for the issue of duplicate Custom purpose copies of the said licences on the ground that the original copies thereof have been lost/misplaced without having been utilised at all.

The applicant has filed affidavits in support of the above statement as required under para 320 of I. T. C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74. I am satisfied that the original copies of the said licences have been lost/misplaced.

In exercise of the Powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Control Order, 1955 dt. 7-12-1955, I order the cancellation of the said original Custom copies of the licences.

The applicant is now being issued duplicate copies (Custom purposes only) of the aforesaid licences in accordance with the provision of para 320 (4) of the I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74.

[F. No. P/K-19/AM. 72/AU. UT./CLA/3385]

लाइसेंस रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1974

का० आ० 941.—सर्वश्री भारत डाईज एण्ड पिग्मेण्टस, 60 राधेपुरी, दिल्ली-51 को एमिनो फिनोल आदि के आयात के लिए वास्तविक उपयोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित आयात लाइसेंस प्रदान किए गए थे :—

1. पी/एस/1717544 दिनांक 16-8-72 मूल्य 52,387 रु० सामान्य मुद्रा क्षेत्र से ।

2 पी/एस/1717545 दिनांक 16-8-72 मूल्य 26,193 रु० रुपया भुगतान क्षेत्र से ।

3. पी/एस/1717546 दिनांक 16-8-72 मूल्य 26,193 रु० यू०के० से। उन्होंने उक्त लाइसैन्सों की अनुलिपि प्रतियां केवल सीमाशुल्क निकासी प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां बिल्कुल बिना उपयोग किए खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं ।

2. उपर्युक्त कथन के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापर नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक, 1973-74 के पैरा 320 के अन्तर्गत यथा अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मै संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंसों की मूल प्रतियां खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं।

3. आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के खंड 9 (सी० सी०) प्रदत्त उक्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रतियां को रद्द करने का आदेश देता हूं।

4. अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक 1973-74 के पैरा 321 की शर्त के अनुसार पूर्वोक्त सब लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रतियों की अनुलिपियां जारी की जा रही हैं ।

[फाइल संख्या : एन पी/बी-37/ए एम-72/ए यू यू टी/सी एल ए/4028]

के० आर० धीर, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 19th January, 1974

S.O. 941.—M/s. Bharat Dyes and Pigments, 60-Radhey Puri, Delhi-51 were granted the following import licences under A. U. category for import of Amino Phenol etc. :—

1. P/S/1717544	dt. 16-8-72 for	Rs. 52,387	from G.C.A.
2. P/S/1717545	-do-	Rs. 26,193	from R.P.A.
3. P/S/1717546	-do-	Rs. 26,193	from U.K.

They have applied for issue of duplicate copies (Custom purpose only) of the said licences on the ground that the original copies thereof have been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. The applicant has filed affidavits in support of the above statement, as required under para 320 of I. T. C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74. I am satisfied that the original copies of the said licences have been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under section 9(cc) of Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955, I order the cancellation of the custom purpose copies of the said licences.

4. The applicant is now being issued duplicate custom purpose copies of all the aforesaid licences in accordance with the provision of para 321 of the I. T. C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74.

[F. No. NP/B-37/AM-72/AU. UT/CLA/4028]

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller of Imp. & Exports

for Jt. Chief Controller.

लाइसेंस रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का० आ० 942.—सर्वश्री एटरनल रेडियो कारपोरेशन, ए-1, नारायणा इण्डस्ट्रियल क्षेत्र, नई दिल्ली को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से पीतल ट्यूबों के लिए आयात के 2,865 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेन्स सं० पी/एस/1801167 दिनांक 29-5-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेन्स की अनुलिपि प्रति (केवल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति) जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उसकी मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति बिल्कुल भी उपयोग किए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. उपर्युक्त कथन की पुष्टि में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैण्ड बुक, 1973-74 के पैरा 320 के अंतर्गत यथा अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेन्स की मूल प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के खंड 9 (सी०सी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेन्स की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूं।

4. अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रिया-विधि हैण्ड बुक, 1973-74 के पैरा 321 की शर्त के अनुसार पूर्वोक्त लाइसेन्स की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी की जा रही है।

[फाइल संख्या : पी०/ई० 6/एम० 73/एयू०यूटी०/सी एल ए/4862]

ओ० एन० आनन्द, उप-मुख्य नियंत्रक
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 14th February, 1974

S.O. 942.—M/s. Eternal Radio Corporation, A-1, Naraina Indl. Area, New Delhi were granted the import licence No. P/S/1801167 dated 29-5-73 for Rs. 2,865 for the import of Brass Tubes etc. from G. A. They have applied for issue of duplicate copy (Exchange Control Purpose only) of the said licence on the ground that the original copy thereof has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. The applicant has filed an affidavit in support of the above statement, as required under para 320 of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74. I am satisfied that the original copy of the said licence has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955, I order the cancellation of the Exchange Control Copy of the said licence.

4. The applicant is now being issued duplicate Exchange Control Copy of the aforesaid licence in accordance with the provision of para 321 of the I. T. C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74.

[F. No. P/E. 6/AM. 73/AU. UT/CLA/4682]

O. N. ANAND, Dy. Chief Controller
for Jt. Chief Controller

(संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

बम्बई, 17 जनवरी, 1974

विषय : सर्वश्री प्रवीण नोवेल्टी, जगजीवन दयाल की वाड़ी, आगरा रोड, बम्बई-86 को जारी किए गए लाइसेंस संख्या : पी० एल० 2650693/सी० एक्स एक्स० बी० 45-46 दिनांक 30-11-72 (सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति दोनों) को रद्द करना।

का०आ० 943.—सर्वश्री प्रवीण नोवेल्टी, बम्बई को 7,992 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस संख्या पी०एल० 2650693, दिनांक 30-11-72 इससे संलग्न सूची में दिये गये माल के आयात के लिए प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां बिल्कुल भी उपयोग किए बिना खो गई है। अब अनुलिपि प्रतियों की आवश्यकता लाइसेंस के पूरे मूल्य अर्थात् 7,992 रुपये के लिए है। अपने दावे के समर्थन में आवेदकों ने शपथ लेकर एक शपथपत्र इस सम्बन्ध में प्रस्तुत किया है कि मूल प्रतिया खो गई है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस संख्या : पी०एल० 2650693, दिनांक 30-11-72 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि इनकी अनुलिपियां उनको जारी की जाएं।

लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

[मिसिल सं० 880/24355/एएम-73/एल/ईपीएससी-3-9-16 से जारी]

डी०डि० सूजा, उप-मुख्य नियंत्रक
कृत संयुक्त मुख्य नियंत्रक

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Sub. Cancellation of licence No. PL/2650693/C/XX/B/45-46 dated 30-11-72 (Both Customs & Exchange Control Copy), issued to M/s. Pravin Novelty, Jagjivan Dayal's Wadi, Agra Road, Bombay-86.

S.O. 943.—M/s. Pravin Novelty, Bombay have been granted licence No. PL/2650693 dt. 30-11-72 for Rs. 7,992 for import of goods as per list attached. They have applied for duplicate copy of both Customs as well as Exchange Control Copy on the ground that the originals have been lost without having been utilised at all. The duplicate copies now required is for value of the licence i.e. Rs. 7,992. In support of their claim applicants have furnished sworn affidavit to the effect that the original copies have been lost.

I am satisfied that the original copy of Customs and Exchange Control purposes of the licence No. PL/2650693 dated 30-11-72 have been lost and direct that duplicate copy of licence be issued to the applicant.

The original of Customs and Exchange Control copy of the licence is cancelled.

[Issued from File No. 880/24355/A.M. 73/L/EPSC. III/916]

D. D'SOUZA, Dy. Chief Controller
for Jt. Chief Controller

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1974

का० आ० 944.—राजनयिक एवं कोंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41) के खंड-2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, भारत का राजदूतावास, बोगोटा में सहायक श्री वी० के० मंकोटिया को तत्काल कोंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फा० सं० टी० 4330/4/74]

राम लाल, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 22nd March, 1974

S.O. 944.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri V. K. Mankotia, Assistant in the Embassy of India, Bogota to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[F. No. T. 4330/4/74]

RAM LAL, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 26th March, 1974

S.O. 945.—The Central Government hereby appoints Shri J. G. Rajadhyaksha as a member of the Central Silk Board, in exercise of the powers conferred by section 4, (3) (b) of the Central Silk Board Act 1948 (61 of 1948) and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development S. No. 482(E) dated the 12th September, 1973, namely:—

In the said notification, serial No. (1) shall be substituted by :

1. Shri J.G. Rajadhyaksha Deputy Secretary, Ministry of Industrial Development New Delhi	NOMINATED BY THE CENTRAL GOVT. UNDER SECTION 4 (3) (b) OF THE ACT.

[No. 6/9/74-C & S]

P. P. GUPTA, Dy. Director (IC).

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1974

का० आ० 946.—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में (प्रदत्त) समस्त अन्य शक्तियों का समर्थन प्राप्त करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि भारत सरकार के पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) के संकल्प संख्या 28 (11) 70-ओ०आर० दिनांक 22 अगस्त, 1970 के, जिसका तत्पश्चात संशोधन किया गया था, पैराग्राफ 4 के स्थान पर निम्नलिखित पैराग्राफ प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात :—

"4. आयोग अपनी रिपोर्ट 31 अगस्त, 1974 तक प्रस्तुत करेगा।"

[संख्या 28(19)/72-ओ०आर०]

सी० आर० वैद्यनाथन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 30th March, 1974

S.O. 946.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) & all other powers hereunto enabling, the Central Government hereby directs that in the resolution of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Petroleum) No. 28(11)/70-OR dated the 22nd August, 1970, as subsequently amended, for paragraph 4, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"4. The Commission will submit its report by the 31st of August, 1974".

[No. 28(19)/72-OR]

C. R. VAIDYANATHAN, Joint Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1974

का० आ० 947.—बीज रहित इमली श्रेणीकरण और चिन्ह नियम, 1971 को आगे संशोधन करने हेतु कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्ह) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उनसे प्रभावित होना संभाव्य है और सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात उक्त प्रारूप पर विचार किया जायगा।

उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त किसी भी आक्षेप अथवा सुझाव पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियम प्रारूप

1. इन नियमों का नाम बीज रहित इमली श्रेणीकरण और चिन्हन (संशोधन) नियम, 1974 है।

2. बीजरहित इमली श्रेणीकरण और चिन्हन नियम 1971 में, —

(1) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात :—

अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिये)

बीजरहित इमली के श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग	विशेष लक्षण सहायता की अधिकतम सीमाएं			सामान्य लक्षण
		नयी (तोल के अनुसार प्रतिशत)	बीज तत्व (तोल के अनुसार प्रतिशत)	वह पदार्थ जिसके अन्तर्गत तन्तु गुच्छा और छिलके भी हैं (तोल के अनुसार प्रतिशत)	
1	2	3	4	5	6
विशेष . . .	हल्की लाल	15.00	3.0	1.5	(1) इमली का गूदा टेमेरिंड्स इन्डिका के परिपक्व फल से पहले छिलके को और फिर गूदे और बीज के ऊपर की तन्तुमयी झिल्ली को उतारने के बाद, प्राप्त किया जायगा।

1	2	3	4	5	6
अच्छी	लाल हलके रंग-वाली भूरी	17.00	5.0	3.0	(2) गूदा अच्छी तरह सुखाया जाएगा और उसे दबाकर केक की तरह बनाया जाएगा।
साधारण	गहरी भूरी से लेकर हलकी काली तक	19.00	8.0	4.5	(3) गूदा कीट बाधा या जीवित कीड़ों से मुक्त होगा।
औसत	काली	22.00	10.00	6.0	(4) केक का रंग एक समान हो।
	*	*	*	*	(5) गूदे में इमली का ही विशिष्ट स्वाद और गंध होगी और वह किसी भी दुर्गन्ध से मुक्त होगा।

टिप्पण.—अ-विनिर्दिष्ट, जैसा कि क्रेता द्वारा किए गए करार में विनिर्दिष्ट हो।

[सं० 13-7/73-ए०एम०]

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 19th March, 1974

S. O. 947.—The following draft of certain rules to amend the Seedless Tamarind, Grading and Marking Rules, 1971, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected there by and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the official gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the periods so specified will be considered by the Central Govvernment.

Draft Rules

1. These rules may be called the Seedless Tamarind Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973.

2. In the Seedless Tamarind Grading and Marking Rules, 1971, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

(See Rules 3 & 4)

Grade Designations and Definition of Quality of Seedless Tamarind

Grade Designation	Colour	Special Characteristic			General Characteristics
		Maximum limits of tolerance			
		Moisture (percentage by weight)	Seed content (percentage by weight)	Foreign matter including fibre strand and rind (percentage by weight)	
SPECIAL	Light red	15 00	3.00	1.5	(1) The tamarind pulp shall have been obtained from the mature fruits of Tamarindus indica, by fibrous skeleton enclosing the pulp and the seeds.
GOOD	Red tinged brown	17.00	5.0	3.0	
FAIR	Dark brown to Light black	19.00	8.0	4.5	(2) The pulp shall be well dried and compressed into cakes.
AVERAGE	Black	22.00	1	6.0	(3) The pulp shall be free from insect infestation or live insects.
					(4) The colour of the cake shall be uniform.
					(5) The pulp shall have the characteristic taste and flavour and shall be free from any obnoxious odour.

NOTE: —Non-specified may be specified in the contract by the buyer.

[F.No. 13-7/73-AM]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1974

प्रारूप अधिसूचना

का० आ० 948.—ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1974 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1961 को अधिक्रान्त करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका इनसे प्रभावित होना सम्भाव्य है, प्रकाशित करती है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक मास के पश्चात् विचार किया जाएगा ।

उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप नियम

ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1974

1. **संक्षिप्त नाम और लागू होना.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1974 है ।

(2) ये भारत के किसी भी भाग में भेड़ों से प्राप्त अविनिर्मित किए गए और भारत में उत्पादित ऊन पर लागू होंगे ।

2. **परिभाषाएं.**—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "प्राधिकृत पेकर" से, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (i) के अन्तर्गत जारी किया गया प्राधिकरण-प्रमाणपत्र धारण करने वाला कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ख) किसी ऊन श्रेणी अभिधान की बाबत "धुने हुए" ऐसी ऊन अभिप्रेत है जिस पर उभरे हुए ऊन की गांठों और तिनकों को निकालने के लिए, धुनन-प्रक्रिया की गई है;

(ग) "धुनी गई ऊन" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जिसमें धुनी हुई किसी ऊन का 25 प्रतिशत से अधिक मिश्रण अन्तर्विष्ट है;

(घ) ऊन श्रेणी अभिधान की बाबत "कतरित" से भेड़ों के शरीर से हाथ की कैंची या काटने वाली मशीन द्वारा प्राप्त ऊन अभिप्रेत है;

(ङ) किसी ऊन श्रेणी अभिधान के सम्बन्ध में "ओटी हुई" से ओटने की मशीन से गुजार कर गांठों से (गांठों वाली कच्ची ऊन से काटी हुई) प्राप्त छोटे ऊन रेशे अभिप्रेत हैं;

(च) "पहाड़ी ऊन" से व्यापार में पहाड़ी ऊन कही जाने वाली ऊन अभिप्रेत है;

(छ) "पहाड़ी ऊन (कतरित)" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जो जीवित भेड़ से कटाई द्वारा प्राप्त की गई है;

(ज) "पहाड़ी ऊन (कर्षित)" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जो वध की गई भेड़ों की खालों से या तो नमक, बालसफा घोल की सहायता से या के बिना रेशे कर्षण द्वारा प्राप्त की गई है;

(झ) "ढेर" से ऊन का परिमाण अभिप्रेत है, जिसकी क्वालिटी उस परिमाण से एक नमूना लेकर और विहित प्रक्रिया के अनुसार उस नमूने का विश्लेषण करके निर्धारित की जाती है;

(ञ) "मिश्रित ऊन (कतरित—धुनी हुई)" से ऐसी कतरित ऊन अभिप्रेत है जिसमें 25 प्रतिशत तक धुनी हुई ऊन का मिश्रण हो;

(ट) "मिश्रित ऊन (कतरित—कर्षित)" से ऐसी कतरित ऊन अभिप्रेत है जिसमें 25 प्रतिशत तक कर्षित ऊन का मिश्रण हो;

(ठ) किसी ऊन श्रेणी अभिधान के सम्बन्ध में, "संसाधित ऊन" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है, जो सफाई प्रयोजनों के लिए की गई धुनाई और ओटाई के सिवाय, विनिर्मिति या पुनर्विनिर्मिति की किसी यांत्रिक प्रक्रिया के अधीन रही हो;

(ड) किसी ऊन श्रेणी अभिधान के सम्बन्ध में "कर्षित ऊन" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है, जो वध की गई भेड़ों की खालों से, नमक या बालसफा घोल की सहायता से या के बिना रेशों के कर्षण द्वारा निकाली गई हो;

(ढ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;

(ण) "अभिघर्षित ऊन" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जो अभिघर्षण संयंत्र में शोधक सहित यांत्रिक अभिघर्षण के अधीन रही हो;

(त) "दक्षिण भारतीय चर्मकर्षित और अदन किस्म ऊन" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जो आन्ध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मैसूर और तमिलनाडु राज्यों से मद्रास नस्ल की भेड़ों की अपरिष्कृत खालों से और अदन देश की ऐसी खालों से, जो बुझे हुए चूने के बालसफा घोल में लेपित या भिगोई गई हैं, निकाली गई है;

(थ) "चर्म-संस्कार-गृह ऊन (चूना स्पर्शित)" से ऐसी ऊन अभिप्रेत है जो वध की गई भेड़ों की खालों से बालसफा जैसे बुझे हुए चूने की सहायता से निकाली गई है ;

3. **श्रेणी अभिधान.**—विनिर्दिष्ट व्यापारिक विवरण की ऊन के लक्षण और क्वालिटी उपदर्शित करने वाले श्रेणी अभिधान के होंगे जो अनुसूची I से VI के स्तम्भ 1 में उपवर्णित हैं ।

4. **विभिन्न श्रेणी अभिधानों के लक्षण.**—(1) विभिन्न श्रेणी अभिधानों के विशेष लक्षण वे होंगे जो अनुसूची I से VI के स्तम्भ 2, 3 और 4 में प्रत्येक अभिधान के सामने उपवर्णित हैं ।

(2) विभिन्न श्रेणी अभिधानों के साधारण लक्षण निम्नलिखित होंगे :—

(i) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "कतरित ऊन" ओटी हुई, धुनी हुई, कर्षित, चूनास्पर्शित विरंजित तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु तथा वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(ii) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "कर्षित ऊन" कतरित, धुनी हुई, ओटी हुई, चूनास्पर्शित, विरंजित, तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु तथा वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(iii) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "चर्म संस्कार-गृह ऊन (चूनास्पर्शित)" कतरित, ओटी हुई, धुनी हुई, कर्षित, विरंजित तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु तथा वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(iv) व्यापारिक विवरण की "दक्षिण भारतीय चर्म संस्कार-गृह तथा अदन किस्म की ऊन" कतरित, ओटी हुई, धुनी हुई कर्षित,

विरंजित, तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(v) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "मिश्रित ऊन (कतरित-धुनी हुई)" बेली हुई, कर्षित, चूनास्पंशित, विरंजित, तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(vi) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "मिश्रित ऊन (कतरित-कर्षित)" ओटी हुई, चूनास्पंशित, धुनी हुई, विरंजित तथा संसाधित ऊन, कचरा ऊन, अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(vii) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "पहाड़ी ऊन (कतरित)" बेली हुई, धुनी हुई, कर्षित, चूनास्पंशित, मैदानों की कतरित, विरंजित तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(viii) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "पहाड़ी ऊन (कर्षित)" बेली हुई, चूनास्पंशित, धुनी हुई, विरंजित, मैदानों की कर्षित या कतरित, तथा संसाधित ऊन, ऊन कचरा, अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशों से मुक्त होगी ।

(ix) व्यापारिक विवरण की ऊन भारतीय "ओटी हुई ऊन" धुनी हुई, कर्षित, चूनास्पंशित, तथा विरंजित ऊन, ऊन कचरा अथवा किसी अन्य पशु या वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(x) व्यापारिक विवरण की "अभिघर्षित ऊन" पशु तथा वनस्पति रेशे से मुक्त होगी ।

(xi) विभिन्न व्यापारिक विवरणों की ऊन युक्तियुक्त रूप से गांठों, कांटों, तिनकों, रेत, धूल अथवा अन्य बाहरी पदार्थ से मुक्त होगी, तथा स्पर्श में शुष्क और लक्षण में समरूप होगी ।

5. श्रेणी अभिधान चिह्न.—श्रेणी अभिधान चिह्न में निम्नलिखित होंगे :—

(क) एक लेबल जिस पर भारत के नक्शे का नमूना होगा जिसमें शब्द "ऐगमार्क" और "भारतीय उत्पाद" शब्द सहित सूर्य उदय की आकृति अंकित हो, जैसा कि अनुसूची VII में बताया गया है, और

(ख) एक लेबल जिसमें :—

(i) पैकिंग का स्थान,

(ii) पैकिंग की तारीख,

(iii) निरीक्षक अधिकारी के हस्ताक्षर

(iv) श्रेणी,

(v) रंग,

(vi) उपज का प्रतिशत,

(vii) चिह्नन का स्थान और तारीख,

(viii) निरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर,

उपदर्शित होंगे ।

6. गांठ बांधना और चिह्न लगाना.—ऊन की गांठों को बांधना और चिह्न लगाना ऊन प्रेस करने वाले केन्द्रों अथवा बन्दरगाहों पर कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार किया जायेगा ।

7. निरीक्षण.—गांठों का श्रेणी अभिधान ऊन के नमूनों का रंग, आकार तथा उत्पादन के आधार पर मुम्बई या जामनगर स्थित दो ऊन परीक्षण प्रयोगशालाओं में परीक्षण किए जाने के उपरान्त घोषित किया जाएगा ।

8. रंग.—(क) विभिन्न श्रेणी अभिधानों के ऊन का रंग, अनुसूची I से VI में विहित किए गए रंग के अनुसार होगा ।

(ख) कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर विहित प्रक्रिया के अनुसार लिए गए ऊन के नमूने के रंग की तुलना डिब्बे में बन्द ऊनी रेशों के मानक रंगों की प्रतिरूप से की जाएगी, और उस ढेर में के रेशे का रंग डिब्बे में बन्द ऊनी रेशे के मानक रंग के ऐसे रंग के रूप में माना जाएगा जो नमूने के रंग से लगभग बहुत ही मिलता जुलता हो ।

(ग) यदि नमूने का रंग फीके पीले से गहरा पाया जाए तो उस ढेर में के रेशे का रंग पीला माना जाएगा यदि नमूने को किसी भी रंग-वर्ग में श्रेणीकृत नहीं किया जा सकता, तो इसे सर्व-रंगी माना जाएगा ।

9. प्रयोगशाला में अभिघर्षित ऊन प्राप्ति की प्रतिशतता :—(क) विभिन्न श्रेणी अभिधानों की प्रयोगशाला में अभिघर्षित ऊन की प्राप्ति वह होगी जो अनुसूची I से VI में विहित है ।

(ख) किसी भी श्रेणी अभिधान की ऊन जिसकी प्राप्ति उक्त अनुसूचियों के स्तम्भ 3 के नीचे विहित न्यूनतम प्राप्ति से कम हो, निर्यात के लिए अनुज्ञात नहीं की जाएगी ।

(ग) प्रयोगशाला में अभिघर्षित ऊन प्राप्ति की प्रतिशतता समय-समय पर लागू विधियों के अनुसार निर्धारित की जाएगी ।

10. वनस्पति पदार्थ.—(क) विभिन्न श्रेणी अभिधानों की ऊन में मौजूद वनस्पति पदार्थ की प्रतिशतता वह होगी जो अनुसूची I से VI में विहित है ।

(ख) वह ऊन जिसमें वनस्पति पदार्थ विनिर्दिष्ट प्रतिशतता से अधिक हो, निर्यात के लिए अनुज्ञात नहीं की जाएगी ।

(ग) वनस्पति पदार्थ की प्रतिशतता, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित रीति से अवधारित की जाएगी ।

11. किस्म.—ऊन की किस्म नियम 8 में यथा विनिर्दिष्ट रंग के लिए लिए गए नमूने की जांच द्वारा अवधारित की जाएगी ।

12. पैकिंग की पद्धति.—ऊन दाब-यन्त्र द्वारा कसी गांठों में बन्द करने के पश्चात् उसे पूर्णतया नई टाट-पट्टी से ढक कर तथा सुरक्षा के लिए आवश्यक लोहा पट्टियां गांठ के इर्द-गिर्द लपेटी हुई दशा में व्यापारिक नियमानुसार 100 किलोग्राम से 200 किलोग्राम की गांठों में बन्द किया जाएगा ।

13. चिह्नन की पद्धति :—श्रेणी अभिधान चिह्न, यथास्थिति, केवल पूरी या आधी बंधी हुई गांठ पर, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित रीति में लगाया जाएगा :

परन्तु यह कि पैकर अपना निजी व्यापार चिह्न, किसी गांठ या पैकेज पर मुद्रित कर सकेगा या लिख सकेगा, यदि ऐसा निजी व्यापार चिह्न ऊन के उसी रंग, क्वालिटी तथा श्रेणी के हैं, जैसाकि ऐगमार्क लेबल और ऐगमार्क श्रेणी के प्रमाणपत्र में उपदर्शित है, और इस विषय में कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा सम्यकतः अनुमोदित है ।

14. श्रेणीकरण का प्रमाणपत्र.—(i) ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र प्राधिकृत पैकर द्वारा लिखित प्रार्थना पर, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत द्वारा जारी किया जाएगा ।

(ii) ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र अनुसूची VIII में दिए गए प्रारूप में जारी किया जाएगा ।

15. **प्राधिकरण की विशेष शर्तें**:—(1) केवल एक श्रेणी की ही ऊन एक बेर में पैक की जाएगी;

(2) सामान्य श्रेणीकरण तथा चिह्नन नियम, 1937 के नियम 5 में विहित शर्तों के अतिरिक्त निम्नलिखित शर्तें इन नियमों के प्रयोजन के लिए जारी किए गए प्रत्येक प्राधिकरण प्रमाण-पत्र के लिए होंगी, अर्थात् :—

(क) प्राधिकृत ऊन व्यापारी के परिसर तथा गांठ दाब यन्त्र साफ और सुथरे होने चाहिएं और उसमें ऊन स्वच्छ करने, छंटाई करने, गांठ बांधने, तोलने, भण्डारकरण, सरकारी निरीक्षण तथा चिह्नन हेतु पर्याप्त स्थान तथा सुविधाएं होंगी ।

(ख) नमूना लेने की विधि, परीक्षण, चिह्नन और दाब से पहले तथा बाद में ऊन का निरीक्षण, और उसके अभिलेख रखने के बारे में कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी अनुदेशों का सभी सम्बद्ध व्यक्तियों द्वारा पूरी तरह पालन किया जाएगा ।

अनुसूची 1

भारतीय कतरित तथा मिश्रित ऊन के श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में अभिधर्षित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
(क) कतरित				
श्वेत	श्वेत	80% से अधिक	5%	यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से ऊपर है और 5% तक हो तो यह ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाण पत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
हल्की श्वेत	हल्का श्वेत	85% से अधिक 90% से अधिक		
हल्की पीली	हल्का पीला	75% से अधिक		
पीली	पीला	80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक		
(ख) मिश्रित				
श्वेत	श्वेत	80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक	5%	1. यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से ऊपर और 5% तक हो तो यह ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
हल्की श्वेत	हल्का श्वेत	75% से अधिक	5%	2. 'मिश्रित' शब्द का अभिप्राय कथित ऊन तथा/अथवा धुनी ऊन सहित कतरित ऊन के मिश्रण से है । यदि मिश्रण 10% से अधिक हो तो उसे मिश्रित घोषित किया जाएगा । यदि कथित ऊन के तथा/अथवा धुनी ऊन के मिश्रण की प्रतिशतता 25% से अधिक हो तो इसे मिश्रण की किस्म के आधार पर यथास्थिति कथित ऊन या धुनी हुई ऊन घोषित किया जाएगा ।
हल्की पीली	हल्का पीला	80% से अधिक		
पीली	पीला	85% से अधिक 90% से अधिक		
रंगीन	रंगीन	70% से अधिक 75% से अधिक 80% से अधिक	5%	

अनुसूची II

भारतीय कपित ऊन के श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में अभिघर्षित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
कपित श्वेत कपित हल्की श्वेत	श्वेत हल्का श्वेत	80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक	5%	1. यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से अधिक तथा 5% तक हो तो इसे ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
कपित हल्की पीली कपित पीली	हल्का पीला पीला	75% से अधिक 80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक	5%	
कपित रंगीन	रंगीन	70% से अधिक 75% से अधिक 80% से अधिक	5%	2. कपित ऊन का अभिप्राय चून के स्पर्श से कपित ऊन से भिन्न ऊन है ।

अनुसूची III

भारतीय चर्म-संस्कार-गृह ऊन (चूना रंजित) के श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में अभिघर्षित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
(क) दक्षिण भारतीय चर्म-संस्कार-गृह तथा अवम प्रकार की ऊन से भिन्न ऊन				
चूनारंजित श्वेत चूनारंजित हल्की श्वेत	श्वेत हल्का श्वेत	75% से अधिक 80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक	5%	
चूनारंजित हल्की पीली चूनारंजित पीली	हल्का पीला पीला	72½% से अधिक 75% से अधिक 80% से अधिक 85% से अधिक 90% से अधिक	5%	यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से अधिक तथा 5% तक हो तो इसे ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
चूना रंजित	रंगीन	65% से अधिक 70% से अधिक 75% से अधिक 80% से अधिक	5%	
(ख) दक्षिण भारतीय चर्म-संस्कार-गृह तथा अवम प्रकार की ऊन				
चर्म संस्कार-गृह श्वेत चर्म संस्कार-गृह हल्की श्वेत चर्म संस्कार-गृह हल्की पीली चर्म संस्कार-गृह पीला चर्म संस्कार-गृह रंगीन	श्वेत हल्का श्वेत हल्का पीला पीला रंगीन	65% से अधिक 70% से अधिक 75% से अधिक 80% से अधिक	5%	

अनुसूची IV

भारतीय पहाड़ी ऊन (चिक्कणी, कतरित तथा कर्षित) के श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में अभिधर्षित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
श्वेत पहाड़ी	श्वेत	60% से अधिक	5%	यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से अधिक तथा 5% तक हो तो इसे ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
कर्षित श्वेत पहाड़ी		65% से अधिक		
हल्की श्वेत पहाड़ी	हल्का श्वेत	70% से अधिक		
हल्की श्वेत कर्षित पहाड़ी		75% से अधिक		
रंगीन पहाड़ी	रंगीन	55% से अधिक		
कर्षित रंगीन पहाड़ी		60% से अधिक	5%	
		65% से अधिक		
		70% से अधिक		

अनुसूची V

भारतीय ओटाई हुई ऊन का श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	प्रयोगशाला में अभिधर्षित ऊन का प्रतिशत	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
ओटाई हुई श्वेत	श्वेत	80% से अधिक	5%	यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से अधिक तथा 5% तक हो तो इसे ऐगमार्क श्रेणीकरण प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जायेगा ।
ओटाई हुई हल्की श्वेत	हल्का श्वेत	85% से अधिक		
		90% से अधिक		
ओटाई हुई हल्की पीली	हल्का पीला	75% से अधिक	5%	
ओटाई हुई पीली	पीला	80% से अधिक		
		85% से अधिक		
		90% से अधिक		
ओटाई हुई रंगीन	रंगीन	70% से अधिक	5%	
		75% से अधिक		
		80% से अधिक		

अनुसूची VI

भारतीय अभिधर्षित ऊन के श्रेणी अभिधान तथा विशेष लक्षण

श्रेणी अभिधान	रेशे का रंग	न्यूनतम आपेक्षित प्रतिवर्तन भार प्रतिशतता	अधिकतम वनस्पति पदार्थ	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
अभिधर्षित श्वेत	श्वेत	95	5%	1. यदि वनस्पति पदार्थ की मात्रा 3% से अधिक तथा 5% तक हो तो इसे अनुकूलन प्रमाणपत्र में उपदर्शित किया जाएगा ।
अभिधर्षित हल्का श्वेत	हल्का श्वेत			2 ऐसी किसी भी ऊन को जिसकी आपेक्षिक प्रतिवर्तन भार की प्रतिशतता स्तम्भ 3 के अधीन विहित निम्नतम से कम हो, निर्यात के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।
अभिधर्षित हल्का पीला	हल्का पीला			
अभिधर्षित पीला	पीला			
अभिधर्षित रंगीन	रंगीन			

**आपेक्षिक प्रतिवर्तन भार प्रतिशतता ढेर के मूल भार की आपेक्षित प्रतिवर्तन भार की प्रतिशतता है ।

अनुसूची VII

ऊन की गांठों पर श्रेणी अभिधान चिह्न निम्नलिखित डिजाइन का होगा :—

क० सं० डब्ल्यू

पैकिंग का स्थान और तारीख .....

.....

निरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर

श्रेणी .....

रंग .....

प्राप्त प्रतिशतता .....

चिह्नन का स्थान और तारीख .....

.....

निरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर

क० सं० डब्ल्यू .....

अनुसूची VIII

भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि विभाग

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

ऐगमार्क श्रेणीकरण का प्रमाणपत्र

सं० .....

प्रमाणित किया जाता है कि ऊन की गांठों का, जिनका विवरण निम्नलिखित है, ऊन श्रेणीकरण तथा चिह्नन नियम, 1974 के अनुसार श्रेणीकरण किया गया है ।

प्राधिकृत पैकर का नाम .....

निम्नलिखित गांठों के विषय में पहले के प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, की क्रम संख्या तथा तारीख :—

गांठों का विवरण

गांठों की संख्या :

गांठों का संक्षिप्त विवरण :

श्रेणी, चिह्न इत्यादि सहित :

ऐगमार्क श्रेणी निरीक्षण तारीख :

प्राप्त प्रतिशतता :

किस्म :

रंग :

ऐगमार्क लेबल सं० ..... से ..... तक

प्राधिकृत पैकर की जहाजी सं० ..... से ..... तक

प्राधिकृत पकर का चिह्न :

टिप्पण, यदि कोई हो ।

स्थान

तारीख

[संख्या 8-7/68-ए० एम०]

रघुवीर नारायण, अवर सचिव

मूल प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्रयोग के लिए

दूसरी प्रति सीमा-शुल्क प्रयोग के लिए नहीं

कार्यालय प्रति

New Delhi, the 23rd March, 1974

S.O. 948.—The following draft of the Wool Grading and Marking Rules, 1974, which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), and in supersession of the Wool Grading and Marking Rules, 1961, is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after one month from the date of publication of this notification.

Any objection or suggestion which may be received from any person in respect of the said draft, before the date so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

The Wool Grading and Marking Rules, 1974.

1. **Short title and application**—(1) These rules may be called the Wool Grading and Marking Rules, 1974.

(2) They shall apply to unmanufactured wool obtained from sheep in any part of India and to wool produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires.—

(a) "authorised packer" means a person holding a certificat of authorisation issued under sub-rule (1) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937;

(b) "carded", in relation to any grade designation of wool, means wool which has been subjected to the process of carding for eliminating burrs or sticks;

(c) "carded wool" means wool containing an admixture of more than 25 per cent of any wool which is carded;

(d) "clipped", in relation to any grade designation of wool, means wool obtained from the body of sheep by shearing with a pair of hand shears or a shearing machine;

(e) "ginned" in relation to any grade designation of wool, means short wool fibres recovered from burrs (scissored out from burry raw wool) by passing them through a ginning machine;

(f) "hill (pahari) wool" means wool known in the trade as **pahari** wool ;

(g) "hill (pahari) wool, (clipped)" means such wool obtained by clipping from living sheep;

(h) "hill (pahari) wool (pulled)" means such wool obtained from the pelts of slaughtered sheep by pulling out the fibres either with or without the aid of salt, depilatory solutions;

(i) "lot" means the quantity of wool, the quality of which is determined by drawing a representative

samples from that quantity and analysing that sample as per prescribed procedure;

(j) "mixed wool (clipped-carded)" means clipped wool with an admixture of pulled wool up to 25 per cent;

(k) "mixed wool (clipped-pulled)" means clipped wool with an admixture of pulled wool up to 25 per cent;

(l) "processed wool" in relation to any grade designation of wool, means wool which has been subjected to a mechanical process of manufacture or premanufacture except carding and ginning done for cleaning purposes;

(m) "pulled wool", in relation to any grade designation of wool, means wool which has been removed from the pelts of slaughtered sheep by pulling out the fibres with or without the aid of salt or depilatory solutions;

(n) "schedule" means a Schedule appended to these rules;

(o) "scoured wool" means which has been subjected to mechanical scouring with a detergent in a scouring plant;

(p) "South Indian tannery and Aden type wool" means wool removed from the pelts of unimproved, mutton breed of sheep from the States of Andhra Pradesh, Kerala, Maharashtra, Mysore and Tamil Nadu and from the country Aden, by pulling out fibres from skins which have been pasted with or soaked in a depilatory solution of slaked lime;

(q) "tannery wool (limed)" means wool removed from the pelts of slaughtered sheep with the aid of slaked lime as a depilatory;

3. Grade designations.—The grade designations to indicate the characteristics and quality of wool of specified trade descriptions shall be those set out in column 1 of Schedules I to VI.

4 **Characteristics of various grade designations.**—(1) The special characteristics of the various grade designations shall be as set out against each designation in columns 2, 3 and 4 of Schedules I to VI.

(2) The general characteristics of the various grade designations shall be as under :—

(i) Wool of trade description Indian "clipped wool" shall be free from ginned, carded, pulled, limed, bleached and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(ii) Wool of trade description Indian "pulled wool" shall be free from clipped, carded, ginned, limed, bleached, and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(iii) Wool of trade description Indian "tannery wool (limed)" shall be free from clipped, ginned, carded, pulled, bleached and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(iv) Wool of trade description "South Indian tannery and Aden type wool" shall be free from clipped, ginned, carded, pulled, bleached, and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(v) Wool of trade description, Indian "mixed wool (clipped carded)" shall be free from ginned, pulled, limed, bleached, and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fiber.

(vi) Wool of trade description, Indian "mixed wool (clipped pulled)" shall be free from ginned, limed, carded, bleached and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(vii) Wool of trade description Indian "hill (pahari) wool (clipped)" shall be free from ginned, carded, pulled, limed, plains' clipped, bleached and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(viii) Wool of trade descritpion Indian "hill (pahari) wool (pulled)" shall be free from ginned, limed, carded, bleached, plains' pulled or clipped, and processed wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(ix) Wool of the trade description Indian "ginned" wool shall be free from carded, pulled, limed and bleached wool, wool waste, or any other animal or vegetable fibre.

(x) Wool of trade description "scoured wool" shall be free from animal and vegetable fibre.

(xi) Wool of the various trade descriptions shall be reasonably free from burrs, thorns, sticks, sand, dust or any other extraneous matter and shall also be dry in feel and homogeneous in character.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label.—

(a) bearing a design (consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India", as shown in Schedule VII, and

(b) indicating.—

(i) place of packing,
(ii) date of packing,
(iii) signature of the Inspecting Officer,
(iv) grade,
(v) colour,
(vi) yield percentage,
(vii) place and date of marking,
(viii) signature of Inspecting Officer.

6. Baling and marking.—Baling and marking of wool shall be done at wool pressing centres or ports according to the instructions issued from time to time, by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

7. **Inspection.**—Grade designation of bales shall be declared after testing samples of wool for colour, type and yield in either of the two Wool Testing Laboratories at Bombay and Jamnagar.

8. **Colour.**—(a) The colour of wool of the various grade designations shall be as prescribed in Schedules I to VI.

(b) The colour of the sample drawn in accordance with the procedure prescribed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India from time to time, shall be compared with the replica of the boxed wool fibre colour standards and the colour of the fibre in the lot shall be taken to be the colour of the boxed wool fibre colour standard to which the colour of the sample most nearly approximates.

(c) If the colour of the sample is found to be deeper than pale yellow, the colour of the fibre in the lot shall be taken to be yellowed if the sample cannot be classified under any of the colour groups, it shall be taken to be all coloured.

9. Laboratory Scoured yield per cent of wool.—(a) The yield of laboratory scoured wool of the various grade designations shall be as prescribed in Schedules I to VI.

(b) No wool having a yield less than the minimum prescribed under column 3 of the said Schedules for any grade column 3 of the said Schedules for any grade designation shall be allowed for export.

(c) The percentage of yield of laboratory scoured wool shall be determined in accordance with the methods in force from time to time.

10. Vegetable matter.—(a) The percentage of vegetable matter present in wool of the various grade designations shall be as specified in Schedules I to VI. (b) No wool containing vegetable matter in excess of the percentage specified shall be allowed for export. (c) The percentage of vegetable matter shall be determined in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

11. Type.—The type of the wool shall be determined by examining the sample drawn for colour as specified in rule 8 sub-rule (2).

12. Method of packing.—The wool shall be press-packed in bales with complete covering of new gunny cloth and secured with sufficient number of iron hoops, tightly placed around the bale of customary commercial weights of 100 kgs. to 200 kgs.

13. Method of marking.—The grade designation mark shall be applied only on full or half pressed bales, as the case may be, in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India :

Provided that an authorised packer may stamp or write his private trade mark on the bale or package, if such private trade mark represents the same colour, quality and grade of wool, as that indicated on the Agmark label in the Certificate of Agmark Grading and is duly approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India to that effect.

14. Certificate of grading.—(1) A certificate of Agmark grading shall be issued by the Agricultural Marketing Advisor to the Government of India or an officer authorised by him in this behalf on a written request from the authorised packer.

(2) The Certificate of Agmark Grading shall be issued in the form given in Schedule VIII.

15. **Special conditions of authorisation.**—(1) Wool of one grade shall be packed in one lot.

(2) In addition to the conditions prescribed in rule 5 of the General Grading and Marking Rules, 1937 the undermentioned conditions shall be the conditions of every Certificate of Authorisation issued for the purpose of these rules, namely :—

(a) The premises of authorised wool merchants and baling presses shall be clean and tidy and shall provide adequate space facilities for cleaning, sorting, baling, weighing, storage, official inspection and marking of wool;

(b) All instructions, regarding method of sampling, testing, marking and inspection of wool before and after the pressing and maintenance of records thereof, issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India from time to time shall be observed strictly by all concerned.

SCHEDULE I

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Clipped and Mixed Wools

Grade Designation	Colour of fibre	Laboratory scoured yield percent of wool	Maximum vegetable matter	Remarks
1	2	3	4	5
CLIPPED				
White	White	Over 80%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading
Tinged White	Tinged White	Over 85% Over 90%		
Pale yellow	Pale yellow	Over 75%		
Yellow	yellow	Over 80% Over 85% Over 90%	5%	
B. Mixed				
White	White	Over 80% Over 85% Over 90%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Tinged white	Tinged white	Over 75%		2. The term "Mixed" shall mean admixture of pulled wool and/or carded wool with clipped wool. It shall be declared as mixed if the admixture is in excess of 10%. If the percentage of admixture of pulled and/or carded wool exceeds 25% it shall be declared as pulled wool or carded wool as the case may be, depending on the type of admixture.
Pale yellow	Pale yellow	Over 80%	5%	
Yellow	Yellow	Over 85% Over 90%		
Coloured	Coloured	Over 70%		
		Over 75%	5%	
		Over 80%		

SCHEDULE II

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Pulled Wool

Grade designation	Colour of fibre	Laboratory Scoured yield per cent of wool	Maximum vegetable matter	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Pulled White	White	Over 80%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 50%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Pulled tinged white	Tinged white	Over 85% Over 90%		
Pulled Pale Yellow	Pale Yellow	Over 75%		
Pulled Yellow	Yellow	Over 80% Over 85% Over 90%	5%	
Pulled coloured	Coloured	Over 70% Over 75% Over 80%	5%	2. Pulled wool means other than limed pulled wool.

SCHEDULE III

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Tannery Wool (Limed)

Grade designation	Colour of fibre	Laboratory scoured yield per cent of wool	Maximum vegetable matter	Remarks
(1)	(2)	(3)	(5)	(5)
(a) Wool other than South Indian Tannery and Aden type				
Limed White	White	Over 70%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Limed Tinged White	Tinged White	Over 80% Over 85% Over 90%		
Limed Pale Yellow	Pale Yellow	Over 72½%		
Limed Yellow	Yellow	Over 75% Over 80%	5%	
Limed Coloured	Coloured	Over 85% Over 90% Over 65% Over 70% Over 75% Over 80%	5%	
(b) South Indian Tannery and Aden Type Wools				
Tannery White	White	Over 65%	5%	
Tannery Tinged White	Tinged White	Over 70%		
Tannery Pale Yellow	Pale Yellow	Over 75%		
Tannery Yellow	Yellow	Over 80%		
Tannery coloured	Coloured			

SCHEDULE IV

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Hill (Pahari) Wool, Greasy, Clipped and Pulled

Grade designation	Colour of fibre	Laboratory Scoured yield per cent of wool	Maximum vegetable matter	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Hill White Pulled Hill White	White	Over 60% Over 65%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Hill Tinged White Pulled Hill Tinged White	Tinged White	Over 70% Over 75%		
Hill coloured Pulled Hill coloured	Coloured	Over 55% Over 60% Over 65% Over 70%	5%	

SCHEDULE V

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Ginned Wool

Grade designation	Colour of fibre	Laboratory Scoured yield percentage of wool	Maximum vegetable matter	Remarks
Ginned White Ginned Tinged White	White Tinged White	Over 80% Over 85% Over 90%	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Certificate of Agmark Grading.
Ginned Pale Yellow Ginned Yellow	Pale yellow Yellow	Over 75% Over 80% Over 85% Over 90%	5%	
Ginned Coloured	Coloured	Over 70% Over 75% Over 80%	5%	

SCHEDULE VI

Grade Designation and Special Characteristics of Indian Scoured Wool

Grade designation	Colour of fibre	**Percentage conditioned weight minimum	Maximum vegetable matter	Remarks
Scoured White Scoured Tinged White Scoured Pale Yellow Scoured Yellow Scoured Coloured	White Tinged Yellow Pale Yellow Yellow	95	5%	1. If the vegetable matter content is over 3% and upto 5%, it shall be indicated in the Conditioning Certificate. 2. Any wool having percentage conditioned weight less than the minimum prescribed under column 3 shall not be allowed for export.

**Percentage Conditioned weight is the percentage of the conditioned weight to the original of the lot.

SCHEDULE VII

Grade designation mark to be applied to wool bales shall contain the following design ;

Sr. No. W.....

Place and
Date of packing .....
Signature of Inspecting Officer
Grade .....
Colour .....
Yield percentage .....
Place and
Date of Marking .....
Signature of Inspecting Officer
Sr. No.....

SCHEDULE VIII

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

Directorate of Marketing and Inspection

CERTIFICATE OF AGMARK GRADING

No.....

Certified that the wool bales, the particulars of which are given below have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking Rules, 1974.

Name of the authorised packer.....

Number and date of previous certificate, if any, in respect of bales mentioned below :—

Particulars of bales

Number of bales:

Description of bales with particulars of grades and marks:

Agmark grade:

Date of Inspection:

Yield percentage

Type:

Colour:

Agmark Label numbers **from**.....**to**

Authorised packer's shipping numbers **from**.....**to**

Authorised packer's marks:

Remarks, if any:

(Signature of the Officer with Stamp)

Place:

Date:

(Original meant for customs use Duplicate not meant for customs use Office copy.)

RAGHUBIR NARAIN, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1974

का०आ० 949.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उप-नियम (2) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नागर विमानन महानिदेशक को नीचे दी गयी अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट प्रकार से, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 में तद्नुरूपी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सीमा तक किसी विमानचालक अथवा विमानचालकों की श्रेणी को उक्त नियमों के उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देने के लिये उक्त नियमों के नियम 160 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देती है।

2. यह आदेश इसके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये वैध होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	उक्त नियमों का उपबंध जिसके संबंध में छूट देने की शक्ति का प्रयोग किया जाना है।	ऐसी शक्ति के प्रयोग की सीमा
1.	अनुसूची II के खंड "घ", "ङ" तथा "च" के पैरा 3 का उप-पैरा (ख)।	ऐसे विमानचालकों को, जो इंडियन एयर-लाइंस अथवा एयर इंडिया में अति-परिष्कृत तथा भारी प्रकार के सार्व-जनिक परिवहन विमानों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उनके लाइसेंसों के नवी-करण के लिये स्तम्भ 2 में निर्दिष्ट उप-बंधों में निर्धारित उड़ान अनुभव तथा कौशल अपेक्षाओं के संबंध में इनके हास के होने की शर्त से छूट देना, बशर्ते कि नागर विमानन महानिदेशक इस बात से संतुष्ट हो कि सुरक्षा के मानकों को किसी प्रकार का खतरा नहीं है।

[फा०सं० ए०वी० 11016/1/74-ए/ए०आर/1937(2)/1974]

सुरेंद्र नाथ कौल, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1974

S.O. 949.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby authorise the Director General of Civil Aviation to exercise the powers conferred on it by rule 160 of the said rules, to exempt any pilot or pilots from the operation of the provisions of the said rules as specified in column 2 of the Schedule given below to the extent specified in the corresponding entry in column 3 of the said Schedule.

2. This order shall be valid for a period of one year with effect from the date of its publication in the Official Gazette.

SCHEDULE

S. No.	Provision of the said rules for which power to exempt is to be exercised.	Extent of application of such power.
1	Sub-paragraph (b) of paragraph 3 of sections 'D', 'E' and 'F' of Schedule II.	To exempt such of the pilots undergoing training in Indian Airlines or Air India on sophisticated and heavier type of public transport aircraft from recency requirements in respect of flying experience and skill requirements for the renewal of their licences stipulated in the provisions referred to in column (2) provided the Director General of Civil Aviation is satisfied that standards of safety are not compromised.

[F.No.Av.11016/1/74-A/AR/1937(2)/1974]

S. N. KAUL, Deputy Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1973

(पत्तन)

का०आ० 950.—बड़े पत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 24 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वेतनमान की निम्नतम राशि (भत्ते कोछोड़कर) एक हजार, चार सौ रुपये निर्धारित करती है।

[सं० 19-पी०ई० (297)/73]

बी०नं० राजन, अवर सचिव।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

New Delhi, the 11th December, 1973

S.O. 950.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 24 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby fixes the amount (exclusive of allowances) in the maximum of the pay-scale as one thousand and four hundred rupees.

[No. 19-PE(297)/73]

B. NATRAJAN, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1974

का० आ० 951.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स गजाधर माइनिंग इन्डस्ट्रीज की भोण्डा चाइना क्ले माइन, डाकघर हट गमरिया जिला सिंहभूम के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-1 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है ।

अनुसूची

क्या मैसर्स गजाधर माईनिंग इंडस्ट्रीज की भोण्डा खाहना क्ले माईन, डाकघर हटगामारिया, जिला सिंहभूम के श्रमिकों की 31 दिसम्बर, 1972 को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के लिए अर्जित मजदूरी की 20 प्रतिशत की दर से बोनस संदाय की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० एल-29011/6/74-एल आर 4]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 21st March, 1974

S.O. 951.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bhonda China Clay Mine of Messrs. Gajadhar Mining Industries, Post Office Hatgamaria, District Singhbhum and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand of the workers of Bhonda China Clay Mine of Messrs Gajadhar Mining Industries, Post Office Hatgamaria, District Singhbhum for payment of bonus @20 per cent of wages earned for the accounting year ended on the 31st December, 1972 is justified ? If so, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

[No. L-29011/6/74-LR. IV]

New Delhi, the 5th April, 1974

S.O. 952.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Beas Sutlej Link Project and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd March, 1974.

BEFORE SHRI TARA SINGH, ARBITRATOR

Arbitration in in Industrial Dispute

BETWEEN

Superintending Engineer, Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (H.P.).

AND

Their workmen represented by B. S. L. Workers Union, Sundernagar (H.P.)

Present :

Shri Tara Singh, Arbitrator.

Appearances :

For the employers :

1. Shri B. K. Mukerjee, Superintending Engineer (Administration) Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (H.P.).

2. Shri Ratan Lal, Personnel Officer, Beas Sutlej Link project, Sundernagar (H.P.).

For the Workmen:

1. Shri M. S. Toggar, President, Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (H.P.).

Arbitration award under Section 10A of the Industrial Disputes Act 1947.

AWARD

The Beas Sutlej Link Project, Sundernagar and their workmen represented by B.S.L. Workers Union by an arbitration agreement dated 29-9-1973 agreed to refer the industrial dispute existing between them over the question of denial of wages for the period from 3rd October 1967 to 24th February, 1968 to Shri Shanker Das Driver, Token No. 358-L to my arbitration under Sub-Section (1) of the 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in pursuance of the provision of Sub-Section (3) of Section 10A of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947) published the said Arbitration Agreement vide Notification No. L. 42012/50/73/LR. III dated the 17th October, 1973. The following specific matter in dispute was referred to my arbitration :—

Whether the action of the management of B.S.L. Project Sundernagar in denying wages for the period from 3rd October, 1967 to 24th February 1968 to Shri Shanker Das, Driver, Token No. 358-L is legal and justified ? If not, to what relief is he entitled ?

2. Accordingly, I requested the parties to file their respective written statements along with documentary evidence before me on or before 30-11-1973 vide my latter No. CH 15(1)/73 dated 30-11-1973. The union filed a written statement on 30-11-1973 but the management could not file written statement due to late receipt of my communication. However, the management sought the next date in the matter. The next date was of course fixed on 4-1-1974 but due to pre-occupation of the parties before Industrial Tribunal, Chandigarh on 4-1-1974, the dispute was taken at the request of both the parties on 23-1-1974. A copy of the workmen's written Statement was supplied to the management in order to file their counter statement.

3. The parties were finally heard in person on 23-1-1974 and 18-2-1974. Sarvshri B. K. Mukherjee, Superintending Engineer, and Ratan Lal Personnel Officer, Beas Sutlej Link Project, Sundernagar represented the management of Beas Sutlej Link Project Workers Union represented the workmen in the hearing.

4. The Case of B.S.L. Workers Union in the instant dispute is as under :—

Shri Shanker Ram, Driver Token No. 358-L (whose name by mistake has been written Shanker Das, Driver Token No. 358-L in the arbitration agreement as admitted by both the parties in their respective written statement filed before me) was appointed as a Driver in the month of October, 1962 at Beas Sutlej Link Project, Sundernagar on 3-10-1967, his services were terminated by the Executive Engineer, Hydel Construction Division No. 2, Sundernagar in an arbitrary, unlawful and malafide manner and also in violation of natural justice. Even though, the learned appellate authority to whom the workmen filed a memoranda of appeal against the order of termination issued by the Executive Engineer; Hydel Construction Division No. 2 held enquiry devoid of the principles of natural justice and he issued the orders for reinstatement of Shri Shanker Ram Driver and to treat the intervening period between the dates of termination of his services and re-instatement i.e. period 3-10-1967 to 24-2-1968 as leave of the kind due to him. But the learned appellate authority who held that no opportunity was given

to the workmen to defend, his case before the enquiry committee, decided the intervening period which was forced unemployment period, prejudice to the interest of workman and in deviation of the principles of natural justice. Even the Supreme Court and other high courts in their various decisions have held that to justify the principles of natural justice, it is always desirable that an enquiry shall be made in writing to find out whether all the requirements have been duly complied with. In other words it means that the delinquent workman should be allowed to say and prove that he is not guilty and also that action proposed is not justified.

5. Further the management did not hold any subsequent enquiry though the learned appellate authority hinted the management in his order dated 20-2-1968 to do so. It is clear that the management did not have the case to substantiate its allegations of misconduct against the workman. For no fault of the workman, he was kept under forced unemployment between 3-10-1967 to 24-2-1968 and hence he was wrongfully denied his wages for this period.

6. The case of the management was that the Appellate Authority had correctly directed to treat the period of dismissal for which the workman never performed any duty to be treated as leave of any kind due as the workman was responsible for causing an accident and loss to the employer's property. As per statement of the management, the enquiry was re-started to give full and another opportunity to the workman to present his case. The loss already undergone by the workman by loosing pay for the period under dispute was considered sufficient and no more punishment was considered necessary as a measure of generosity and a lenient view was taken. In the light of this submission, the representatives of the management maintaned that the claim of Shri Shanker Driver Token No. 358-I for wages for the period 3-10-1967 to 24-2-1968 is not entertainable.

7. Now from the evidence placed before me, it is seen that no opportunity was given to the workman to say and prove that he was not guilty of causing financial loss to the management by way of committing accident of vehicle, in course of the first enquiry. Apart from this there is no evidence on record to establish the fact that in pursuance of an order of the learned Appellate Authority, a subsequent enquiry was held against the workman nor the finding of the subsequent enquiry had been filed by the management before me. It is clear that the management did not initiate, subsequent enquiry as it did not have a case to substantiate its allegations of misconduct against the workman before the Enquiry Officer.

8. Though I appreciate the findings of the learned Appellate Authority to the extent of re-instatement of the workmen with immediate effect and to hold another enquiry to give an opportunity to the workmen but I find that while deciding the intervening period between the dates of the termination of service and reinstatement i.e. 3-10-1967 to 24-2-1968, the learned Appellate Authority was not fair in treating the period as leave of any kind due, for the reason that the findings of the learned Appellate authority ordering for fresh enquiry and simultaneously treating the intervening period as leave of any kind due are themselves contradictory, arbitrary and prejudicial.

9. In view of my above finding this is a clear case where the workman Shri Shankar Ram, Driver Token No. 358-I, was kept by the management of Beas Sutlej Link Project, Sundernagar under forced unemployment between 3-10-1967 to 24-2-1968 and he was deprived of the wages during this period for no fault of his and due to wrongful act of the management.

10. In view of the facts of the case as explained above, I hold on the dispute referred to my arbitration that the action of the management of B.S.L. Project, Sundernagar in denying wages for the period 3-10-67 to 24-2-68 to Shri Shanker Ram Driver Token No. 358-I, was not justified and the said workman in question is entitled to the full wages for the period 3-10-1967 to 24-2-1968

11. I pass my award accordingly.

[No. L. 42012/50/73/LRIII]

TARA SINGH, Arbitrator and
Labour Enf. Officer (Central)
Chandigarh.

Dated : 18-3-1974.

New Delhi, the 6th April, 1974

S.O. 953.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Kutchwar Lime and Stone Company Banjari, District Shahbad (Bihar) and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th March, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Present :

SHRI K. K. Sarkar—Presiding Officer.

Reference No. 13 of 1972

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Parties :

Employers in relation to the management of Messrs Kutchwar Lime and Stone Company, Banjari, District Shahbad (Bihar).

AND

Their workmen

Appearances :

On behalf of the employers : None.

On behalf of the workmen : None.

State : Bihar. **Industry :** Lime & Stone.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation in the Department of Labour & Employment being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Kutchwar Lime and Stone Company, Banjari, District Shahabad (Bihar) and their workmen, by their order No. L-29012 (25)/72-LR. IV dated 4-12-72 referred the same u/s 10(1) (d) of the I. D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication upon the issue as in the schedule below :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Kutchwar Lime and Stone Company, Banjari, District Shahabad (Bihar) in refusing to give employment to Shri Akaloo Ram, with effect from the 18th May, 1969 was justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

After the receipt of the above order of reference notices were issued to and duly served on the parties to the dispute. The workmen submitted their written statement and several dates were fixed for filing written statement by the employers. The case proceeded along its course. Ultimately on 13-2-74 a joint petition of compromise from the parties along with a memorandum of settlement was received in this Tribunal. The petition along with the memorandum of settlement was taken up on 18-3-74. It appears from the joint petition and the memorandum of settlement that the parties have amicably settled the dispute out of Court and the workman was paid a sum of Rs. 1200/- by the employers in lieu of reinstatement and the workman has accepted the same. As the dispute has been settled amicably by the parties out of Court no industrial dispute exists any more to adjudicate upon. In the circumstances I pass a 'No Dispute' award in this reference.

[No. L-29012(25)/72-LRIV]

K. K. SARKAR, Judge, Presiding Officer.

Dated, 21st March, 1974.

S.O. 954.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Shantilal Jain, Mine Owner, Baren (District Kota) and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th March, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT JABALPUR, JABALPUR.

Camp at Allahabad

Dated, March 12, 1974

Present :

Mr. Justice S. N. Katju.....Presiding Officer

Case No. CGIT/LC(R)(25)/73

(Notification No. L. 29012(34)/73-LR, dated 13/14-12-73)

Parties :

Employers in relation to the management of Shri Shantilal Jain Mine Owner, Baren District Kota and their workmen represented by Pathar Khadan Mazdoor Sangh (Kota).

Appearances :

For the workmen,—Shri M. P. Sharma.

For the employers,—None.

Industry : Stone Mine. **District :** Kota (Rajasthan).

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947.

The question referred to this Tribunal for its adjudication is :—

"Whether the workmen employed in Surpa Sand Stone Mine of Shri Shantilal Jain, Mine Owner, Baren (District Kota) are entitled for grant of any paid National and Festival holidays ?"

The dispute was referred to the Regional Labour Commissioner (C), Ajmer after the Pathar Khadan Mazdoor Sangh (Independent) had directly taken up the matter with the employer without success. The employer did not attend the proceedings before the Regional Labour Commissioner (Central), Ajmer on the dates fixed by him. Eventually the aforesaid conciliation proceedings ended in failure.

It has been alleged on behalf of the workmen employed in Surpa Sand Stone Mine of Shri Shantilal Jain, Mine Owner, Baren, District Kota that the employer does not give wages for the following National and Festival holidays :—

1. 26th January (Republic Day)	One day
2. Holi (Dhulandi)	One day
3. 1st May (Labour Day)	One day
4. 15th August (Independence Day)	One day
5. Rakshabandhan	One day
6. Janmastmi	One day
7. Dipawali	One day
8. Dushra	One day
9. 2nd October (Gandhi Jayanti)	One day
10. Id-Ul-Fitre	One day

The aforesaid National and Festival holidays are well recognised holidays and I see no reason why they should not be treated as paid holidays. A similar question was raised in reference Cases Nos. CGIT/LC (R) (20)/73 and CGIT/LC(R) (21)/73 in which I have held that the workmen employed in the Budhpara sand Stone Mine and in Anandpura Masonry Stone Mine are entitled for the grant of paid National and Festival holidays. The workmen have claimed wages for the aforesaid holidays irrespective of the fact whether they are getting monthly wages, daily wages or on piece rate basis. Inspite of several notices sent by this Tribunal to the employer the latter neither sent his written statement-cum-rejoinder nor he or anyone on his behalf appeared in person before this Tribunal.

My award, therefore, is that the workmen employed in Supra Sand Stone Mine of Shri Shantilal Jain, Mine Owner, Baren (District Kota) are entitled for the grant of the aforesaid paid National and Festival holidays from 16-7-1973. I make no order as to costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer

[No. L-29012(34)/73-LRIV]

P. P. KANTHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1974

का०आ० 955.—केन्द्रीय सरकार, संविदा श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971 के नियम 3 के साथ पठित संविदा श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं०का०आ० 5207, तारीख 30 अक्तूबर, 1971 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:

(i) क्रम सं० 7 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"7क. श्री धर्म चन्द जैन, सदस्य, राज्य सभा, मेसर्स मिश्री लाल माइन्स (प्राइवेट) लिमिटेड 27-ए, कमाव स्ट्रीट, कलकत्ता-700016	कोयला खानों से भिन्न खानों में नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले";	

(ii) क्रम सं० 14 के सामने की प्रविष्टि में, "संविदाकारों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले" शब्दों के स्थान पर "कोयला खानों से भिन्न खानों में कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले" शब्द रखे जाएंगे ;

(iii) क्रम सं० 15 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"16. श्री नारायण चौबे, खड़गपुर ठिकादर मजदूर संघ, मलच्छा रोड, खड़गपुर (पश्चिमी बंगाल) ।	संविदाकारों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले" ।	

[फा० सं० 11/12/70-एल डब्ल्यू I (1)]

पी० आर० नैयर, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd April, 1974

S.O. 955.—In exercise of the powers conferred by section 3 of theContract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970(37 of 1970), read with rule 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 5207, dated the 30th October, 1971, namely :—

(i) after Serial Number 7 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"7A. Shri Dhram Chand Jain, Member, Rajya Sabha, Messrs Misrilal Mines (Private) Limited, 27-A, Camao Street, Calcutta-700016.	Representing employers in Mines other than Coal Mines";	

(ii) in the entry against Serial Number 14, for the words "Representing Contractors' employees", the words "Representing employees in Mines other than Coal Mines" shall be substituted;

(iii) after Serial Number 15 and the entries relating thereto the following shall be inserted namely:—

"16. Shri Narain Chaube, Kharagpur Thikadar Mazdur Union, Malancha Road, Kharagpur (West Bengal)	Representing Contractors' employees".

[No. 11/12/70 LWI. I. (Cont.]

P.R. NAYAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1974

का०आ० 956.—यतः भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) के आदेश संख्या का०आ० 2906, तारीख 22 सितम्बर, 1973 द्वारा मद्रास पत्तन निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता संगम, मद्रास के प्रबंधतंत्र से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच का औद्योगिक विवाद, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास को निर्देशित किया गया था।

और, यतः, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त विवाद ऐसी प्रकृति का है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थापनों का उस विवाद में हितबद्ध होना या उससे प्रभावित होना सम्भाव्य है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त निर्देश में उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थापनों को सम्मिलित करती है।

अनुसूची

(1) डी० जयराम,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
90, वर्धा मुथियाप्पन स्ट्रीट,
मद्रास-1

(2) एम० डोराईक्कानु मुदालियार,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
133, मूरे स्ट्रीट, मद्रास-1

(3) ए० रामामूर्त्ति,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
28, अंगप्पा नैक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1

(4) एम० वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कम्पनी,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता
सं० 301, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1

(5) पी०वी० रामास्वामी नायडू एण्ड संस,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
35, वीरास्वामी पिल्लई स्ट्रीट, मद्रास-1

(6) चन्दूलाल कोटाडिया,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
सं० 165, मिंट स्ट्रीट, मद्रास-3

(7) सुब्रमन्यम एण्ड कम्पनी,
नौवहन, निकासी और अग्रेषण अभिकर्ता,
58, थाम्बू चेट्टी स्ट्रीट,
मद्रास-1

(8) टी०जी० ईलुमलाई एण्ड कंपनी,
सं० 1, अफकार माईरंग स्ट्रीट, मद्रास-1

(9) ए० सीताराम नायडू एण्ड संस,
207, थाम्बू चेट्टी स्ट्रीट
मद्रास-1

(10) ए०एम० पूर्ण चन्द्र नायडू,
26, वी०वी० कोईल स्ट्रीट, मद्रास-3

(11) आर० धनपाल नायडू एण्ड संस,
1- अफकार माईरंग स्ट्रीट मद्रास-1

(12) सत्यानारायन एण्ड कम्पनी,
9, मुल्ला साहिब स्ट्रीट,
मद्रास-1

(13) साउथ इंडियन अभिकरण,
62, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट,
मद्रास-1

(14) लक्ष्मीदास द्वारिकादास,
436, मिंट स्ट्रीट,
मद्रास-1

(15) मेसर्स ई०आई०डी० पेरी एण्ड कंपनी,
पोस्ट बाक्स संख्या 12,
"डारे हाउस", मद्रास-1

(16) डी०वी० भवान एण्ड कंपनी,
16, मूरे स्ट्रीट मद्रास-1

(17) साउथ इंडिया शिपिंग सर्विस,
17, अंगप्पा नैक्कन स्ट्रीट,
मद्रास-1

(18) ए०वी० कन्हैया नायडू एण्ड संस,
260, एन०एस०सी० बोस रोड,
मद्रास-1

[सं० एल-33011/9/73-पी०एण्ड डी०]

ORDER

New Delhi, the 2nd April, 1974

S.O. 956.—Whereas an industrial dispute between the employers in relation to the management of Madras Port Clearing and Forwarding Agents Association, Madras and their workmen was referred to the Industrial Tribunal, Madras by the order of the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2906, dated the 22nd September, 1973;

And, whereas, the Central Government is of opinion that the said dispute is of such a nature that the establishments specified in the Schedule hereto annexed, are likely to be interested in, or affected by, that dispute;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby includes in the said reference, the establishments specified in the said Schedule.

SCHEDULE

(1) D. Jayaram,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
90, Varadha Muthiappan Street,
Madras-1.

(2) M. Doraikkannu Mudaliar,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
133, Moore Street,
Madras-1.

(3) A. Ramamurthy,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
28, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

(4) S. Vaidyanatha Iyer and Company,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
No. 301, Lingh Chetty Street,
Madras-1.

(5) P. V. Ramasamy Naidu and Sons,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
35, Veerasamy Pillai Street,
Madras-1.

(6) Chandulal Kotadia,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
No. 465, Mint Street,
Madras-3.

(7) Subramaniam and Company,
Shipping, Clearing and Forwarding Agent,
58, Thambu Chetty Street,
Madras-1.

(8) T. G. Elumalai and Company,
No. 1, Jaffar Syrang Street,
Madras-1.

(9) A. Seetharam Naidu and Sons,
207, Thambu Chetty Street,
Madras-1.

(10) A. S. Poorna Chandra Naidu,
26, V. V. Koil Street,
Madras-3.

(11) R. Dhanapal Naidu and Sons,
No. 1, Jaffar Syrang Street,
Madras-1.

(12) Malayappan and Company,
9, Mullah Sahib Street,
Madras-1.

(13) South Indian Agencies,
62, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(14) Lakshmidas, Dwarkadas,
436, Mint Street,
Madras-1.

(15) Messrs E.I.D. Parry and Company,
Post Box No. 12,
"Dare House",
Madras-1.

(16) D. B. Madan and Company,
16, Moore Street,
Madras-1.

(17) South India Shipping Services,
17, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

(18) A. V. Kanniah Naidu and Sons,
260, N.S.C. Bose Road,
Madras-1.

[No. L-33011/9/73-P&D]

आदेश

का० आ० 957.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास के प्रबंधतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० पलानी अप्पन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास की श्री पी० जेकब को, उसके ज्येष्ठों, अर्थात् सर्वश्री गणेशन, टी० सारगन, के० दोराय, डी० सुन्दरमूर्ति, एम० अरुमुगम, एस० पेरुमल और एम० आर० शिव, की अनदेखी करते हुए 19 मई, 1972 से आकस्मिक मजदूर के रूप में पुनः नियोजित करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त ज्येष्ठ मजदूर किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं ?

[सं० एल-33011/11/73-पी एण्ड डी]

वी० शंकरलिंगम, अवर सचिव

ORDER

S.O. 957.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Madras Port Trust, Madras and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Madras Port Trust, in re-employment of Shri P. Jacob, as casual Mazdoor from 19th May, 1972 over-looking his seniors, namely—S/Shri Ganesan, T. Sarangan, K. Dorai, D. Sundaramurthy, M. Arumugam, S. Perumal and M. R. Siva, is justified ? If not, to what relief the said senior mazdoors are entitled and from what date ?"

[No. L-33011/11/73-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1974

का० आ० 958.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री शंकर प्रसाद कार और श्रीमती दीपिका दास गुप्ता को उक्त अधिनियम और स्कीम और और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन में या किसी रेल कंम्पनी महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्कीम के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण पश्चिमी बंगाल राज्य और निकोबार द्वीप संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016/5/74-पी०एफ० I]

New Delhi, the 28th March, 1974

S.O. 958.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Sankar Prasad Kar and Smt. Dipika Dasgupta to be Inspectors for the whole of the

State of West Bengal and Union territory of the Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Schedule framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(5)/74-PF. I]

का० आ० 959.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंसन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री जगदीश पांडे को उक्त अधिनियम, और स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण बिहार राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या ए० 12016(18)/73-पी० एफ० I]

लालफक ज़ुआला, अवर सचिव

S.O. 959.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Jagdish Pandey to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/18/73-PF. I]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 29 मार्च 1974

का० आ० 960.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 की 31) की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की अधिसूचना संख्या ए० 36016(1) प्रशासन सेल, दिनांक 8 नवम्बर, 1973 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री गुलाब एल० अजवानी बन्दोबस्त आयुक्त (पी) को उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अन्तर्गत अधिरक्षक को सौंपे गए कार्यों को सम्पादित करने के लिए हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के लिए निष्क्रान्त सम्पत्ति अधिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 15/2/74 विशेष सेल/एस०एस४(I)]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 29th March, 1974

S.O. 960.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. A-36016 (1)/Adm. Cell, dated the 8th November, 1973, the Central Government hereby appoints Shri Gulab L. Ajwani, Settlement Commissioner (P) as the Custodian of Evacuee Property for the States of Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Orissa, Bihar, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka and Kerala and the Union Territory of Delhi for the purpose of discharging duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

[No. 15/2/74-Spl. Cell/SSIV(i)]

का० आ० 961.—निष्क्रांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950(1950 का 31) धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की अधिसूचना संख्या 1(42) विशेष सेल/71-एस०एस०-11 (iii), दिनांक 26 जुलाई, 1973 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री गुलाब अजवानी, बन्दोबस्त आयुक्त (पी०) को उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अन्तर्गत निष्क्रांत सम्पत्ति अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों को सम्पादित करने के लिए महाराष्ट्र राज्य के लिए अतिरिक्त निष्क्रान्त सम्पत्ति अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 15/2/74-विशेष सेल/एस०एस०-4(II)]

डी० एन० असीजा, अवर सचिव

S.O. 961.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), No. 1(42)/Spl. Cell/71-SS. II(iii) dated the 26th July, 1973, the Central Government hereby appoints Sh. Gulab L. Ajwani, Settlement Commissioner (P) as the Additional Custodian of Evacuee Property for the State of Maharashtra for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian of Evacuee Property by or under the said Act.

[No. 15/2/74-Spl. Cell/SS. IV(ii)]

D. N. ASIJA, Under Secy.

रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली, 28 मार्च 1974

का० आ० 962.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन और निर्माण, आवास और शहरी विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1228, तारीख 16-3-1971 को अधिक्रान्त करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारियों को, सरकार के राजपत्रित अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अन्दर, उक्त अधिनियम के अधीन या द्वारा सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन्हें सौंपे गए कार्य करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों के वर्ग और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमायें ।
1	2
1. निदेशक, केन्द्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, दामनगर, हावड़ा-5	कलकत्ता/हावड़ा में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो निदेशक, केन्द्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, दामनगर, हावड़ा के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, गिन्डी, मद्रास-600032	मद्रास में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रीत स्थान जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, गिन्डी मद्रास के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
3. निदेशक, फोरमैन प्रशिक्षण संस्थान, तुमकुर मार्ग, बंगलौर-22	बंगलौर में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो निदेशक फोरमैन प्रशिक्षण संस्थान, तुमकुर मार्ग, बंगलौर-22 के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
4. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, सायन-ट्राम्बे मार्ग, मुम्बई-1	मुम्बई में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रणिक्षण संस्थान, सायन-ट्राम्बे मार्ग, मुम्बई के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
5. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक, प्रशिक्षण संस्थान, दामनगर, हावड़ा-5	कलकत्ता/हावड़ा में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो प्रधानाचार्य केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, दामनगर, हावड़ा-5 के प्रशासनिक नियंत्रण मे है ।
6. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, गिण्डी मद्रास ।	मद्रास में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक संस्थान, गिन्डी मद्रास के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
7. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, विद्यानगर, हैदरबाद ।	हैदराबाद में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो प्रधानचार्य केन्द्रीय अनुदेशक प्रणिक्ष संस्थान, विद्यायानगर हैदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
8. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, गोविन्दनगर, कानपुर-22 ।	कानपुर में केन्द्रीय सरकार के सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अग्रिहीत स्थान जो प्रधानचार्य केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, गोविन्दनगर, कानपुर-22 के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।
9. प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुअनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान गिल मार्ग, लुधियाना-3।	लुधियाना में केन्द्रीय सरकार से सम्बद्ध या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए और उसकी ओर से अधिग्रहीत स्थान जो प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, गिल मार्ग, लुधियाना-3 के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

[सं०-73(13)/69-टी० ए०]

ग० जगन्नाथन उप सचिव,

Directorate General of Employment and training

New Delhi 28th March, 1974

S. O. 962.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants), Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development, No. S.O. 1228 dated the 16th February, 1971 the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in Column 1 of the Table below, being Gazetted Officers of Government, to be estate Officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises, specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table:—

TABLE

Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Director, Central Staff Training and Research Institute, Dasnagar, Howrah-5.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Calcutta/ Howrah and which are under the administrative control of the Director, Central Staff Training and Research Institute Dasnagar, Howrah.

1	2
2. Director, Advanced Training Institute, Guindy, Madras-600032.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Madras and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Guindy, Madras.
3. Director, Foremen Training Institute, Tumkur Road, Bangalore-22.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behlaf of the Central Government in Bangalore and which are under the administrative control of the Director, Foremen Training Institute, Tumkur Road, Bangalore.
4. Principal, Central Training Institute for Instructors, Sion-Trombay Road, Bombay.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Bombay and which are under the administrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Sion-Trombay Road, Bombay.
5. Principal, Central Training Institute for Instructors, Dasnagar, Howrah-5.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Calcutta/ Howrah and which are under the administrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Dasnagar, Howrah-5.
6. Principal, Central Training Institute for Instructors, Guindy, Madras-600032.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Madras and which are under the adminstrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Guindy, Madras.
7. Principal, Central Training Institute for Instructors, Vidyanagar, Hyderabad.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Madras and which are under the administrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Hyderabad.
8. Principal, Central Training Institute for Instructors, Govindnagar, Kanpur-22.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Kanpur and which are under the administrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Govindnagar, Kanpur.
9. Principal, Central Training Institute for Instructors, Gill Road, Ludhiana-2.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Ludhiana and which are under the administrative control of the Principal, Central Training Institute for Instructors, Gill Road, Ludhiana.

[DGE&T No. 73 (13)/69 TA].

G. JAGANNATHAN, Dy. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1974